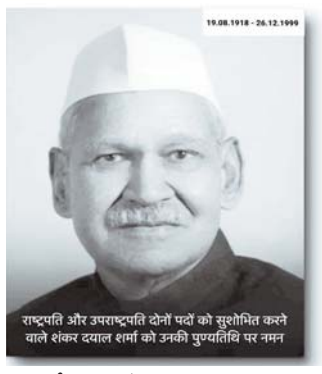

दैनिक

सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

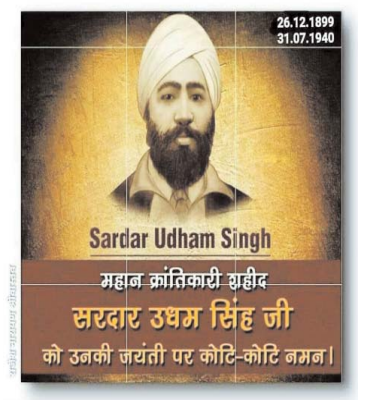

वर्ष 54/ अंक 150/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, गुरुवार 26 दिसंबर 2024 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

सांध्यप्रकाश विशेष

न्यायालयीन मामलों में मुख्य सचिव जैन ने पूर्व सीएस डिसा का आदेश किया निरस्त, वित्त विभाग के नये निर्देशों का पालन करने के निर्देश

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन ने न्यायालयों द्वारा पारित आदेशों को लेकर समय पर कार्यवाही करने के लिए पूर्व मुख्य सचिव अंटोनी डिसा द्वारा 14 जनवरी 2015 को जारी किए गए निर्देशों को निरस्त कर दिया है। अब उन्होंने ऐसे मामलों में कार्यवाही के लिए वित्त विभाग के नये निर्देशों का पालन करने को कहा है।

पूर्व मुख्य सचिव अंटोनी डिसा ने चौदह जनवरी 2015 को एक आदेश जारी किया था। इन निर्देशों में पूर्व सीएस डिसा ने माना था कि न्यायालयों में प्रस्तुत याचिकाओं में न्यायालय द्वारा पारित कतिपय प्रकरणों मे आदेश प्रचलित शासकीय नियमों और निर्देशों के विपरीत रहते है। इसका मुख्य कारण संबंधित विभाग द्वारा पक्ष समर्थन में शिथिलता तथा सामयिक कार्यवाही सुनिश्चित नहीं किया जाना प्रतीत होता है। जिन प्रकरणों में एक से अधिक विभाग शमिल रहते है उनमें अपेक्षित समन्वय न हो पाने के कारण भी ऐसी स्थिति निर्मित होती है। ऐसे निर्णयों का दूरगामी प्रभाव राज्य की वित्त और अन्य प्रशासनिक व्यवस्थाओं पर भी पड़ता था। शासकीय सेवकों की सेवा शर्तो से संबेंधित प्रकरणों मे सामान्यत: सुस्पष्ट आदेश पारित करने के निर्देश दिए जाते है। ऐसी स्थिति में संबंधित विभाग को यह सुनिश्चित करना होता है कि निर्णय के अनुसार विभाग स्वयंपूर्ण एवं सुस्पष्ट आदेश शासन के प्रचलित नियमों और निर्देशों के अनुसार समयसीमा में पारित करें। जिसमें संबंधित अधिकारी, कर्मचारी द्वारा न्यायालय में उठाए गए विषय का निराकरण प्रचलित नियमों से हो सके। ऐसे मामलों में अवमानना याचिका दायर होने पर भी विभाग को पारित किये गए आदेश के पक्ष के समर्थन में पूर्ण तार्किकता के साथ अपना पक्ष रखना चाहिए। जहां न्यायालयों ने प्रचलित नियमों के विपरीत आदेश पारित किए हो वहां नियमों की व्याख्या करते हुए अपील की जाना चाहिए। पूर्व सीएस ने यह भी कहा था कि जहां प्रचलित नियमों के विपरीत न्यायालयीन आदेशों के आधार पर वित्तीय लाभ देने की स्थिति बने तो वित्त विभाग की सहमति से स्पष्ट बोलता हुआ आदेश पारित किया जाए जिसमें न्यायालय के आदेश के परिप्रेक्ष्य में आदेश पारित करने और इसे पूर्व उदाहरण नहीं माने जाने का उल्लेख करना होता था।

मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन ने पूर्व सीएस का यह पूरा निर्देश ही निरस्त कर दिया है। अब न्यायालयीन प्रकरणों के संबंध में आवश्यक कार्यवाही के लिए वित्त विभाग के अलग-अलग आदेशों का पालन करने को कहा गया है।

केंद्र में 7 सचिवों के प्रभार में फेरबदल, मप्र कैडर की नीलम शमी राव को महत्वपूर्ण दायित्व

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बुधवार को केंद्रीय सचिवों में बड़ा फेरबदल किया। मध्य प्रदेश कैडर की 92 बैच की आईएएस अधिकारी नीलम शमी राव को टेक्सटाइल मंत्रालय में सेक्रेटरी बनाया गया है।

आदेश के अनुसार रचना शाह (आईएएस 1991) को कार्मिक एवं प्रशिक्षण मंत्रालय का सचिव नियुक्त किया गया । वर्तमान में, वे कपड़ा मंत्रालय में सचिव हैं। अरुणीश चावला (आईएएस 1992) को वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग का सचिव नियुक्त किया गया। वे संजय मल्होत्रा (आईएएस-1990) की जगह लेंगे, जो हाल ही में आरबीआई के गवर्नर बने हैं। वर्तमान में चावला फार्मास्यूटिकल्स विभाग के सचिव के रूप में कार्यरत हैं। वे संस्कृति मंत्रालय के सचिव का अतिरिक्त प्रभार संभालते रहेंगे।

विनीत जोशी (आईएएस 1992), जो वर्तमान में मणिपुर में मुख्य सचिव हैं, को शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग में सचिव नियुक्त किया गया है। वे के संजय मूर्ति (आईएएस 1989) की सीएजी के रूप में नियुक्ति के बाद उनकी जगह लेंगे। नीलम शमी राव (आईएएस1992) को रचना शाह के स्थान पर कपड़ा मंत्रालय में सचिव नियुक्त किया गया। वर्तमान में, राव राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग में सचिव के रूप में कार्यरत हैं। संजय सेठी (आईएएस 1992), जो वर्तमान में इसी कैडर में हैं, को भारत सरकार के सचिव के पद और वेतन पर राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग का सचिव नियुक्त किया गया है। सेठी ने कपड़ा मंत्रालय में सचिव के रूप में नियुक्त नीलम शम्मी राव का स्थान लिया है।

क्रिसमस से पहले एफिल टॉवर में आग लगी, फंसे हुए 1200 पर्यटकों को निकाला

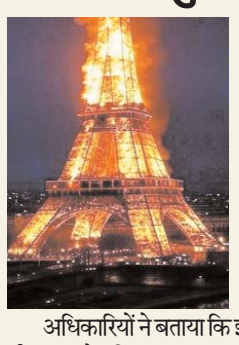

पेरिस। विख्यात एफिल टावर में मंगलवार शाम एक लिफ्ट में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। घटना के बाद पूरे टावर को खाली कराना पड़ा। क्रिसमस की पूर्व संध्या पर टावर में बड़ी संख्या में पर्यटक मौजूद थे। समय रहते सभी 1200 पर्यटकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक एफिल टावर की देखरेख करने वाली कंपनी 'एसईटीई' के प्रवक्ता ने बताया कि लिफ्ट की पावर रेल में शॉर्ट सर्किट के कारण अलार्म बजने लगा। यह समस्या टावर की दूसरी मंजिल और ऊपरी मंजिल पर भी देखी गई। घटना सुबह 10:50 बजे हुई, जिसके तुरंत बाद सुरक्षा प्रक्रियाओं के तहत टावर को खाली कराया गया।

अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में किसी को चोट नहीं आई है। क्रिसमस से पहले का दिन होने की वजह से एफिल टावर पर हजारों लोग घूमने के लिए पहुंचे थे। जब अलार्म बजा और धुआं उठता देखा गया तो वहां कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई।

पुष्पा 2 भगदड़ विवाद के बीच तेलंगाना सरकार और तेलुगु फिल्म उद्योग के बीच महत्वपूर्ण बैठक

हैदराबाद, तेलंगाना। पुष्पा 2: द रूल की स्क्रीनिंग के दौरान हुई दुखद भगदड़ के मद्देनजर, जिसके परिणामस्वरूप एक महिला की मौत हो गई, तेलंगाना सरकार और तेलुगु फिल्म उद्योग के प्रतिनिधियों के बीच गुरुवार को एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक का उद्देश्य पुष्पा 2 के मुख्य अभिनेता अल्लू अर्जुन की गिरफ्तारी के बाद सरकार और फिल्म बिरादरी के बीच तनावपूर्ण संबंधों को संबोधित करना था।

तेलंगाना फिल्म विकास निगम (एफडीसी) के चेयरपर्सन और निर्माता दिल राजू की अध्यक्षता में हुई बैठक में अल्लू अरविंद (अल्लू अर्जुन के पिता), वेंकटेश दग्गुबाती, वरुण तेज और त्रिविक्रम श्रीनिवास और हरीश शंकर जैसे प्रमुख उद्योग हस्तियां शामिल थीं। दिल राजू ने कहा कि बैठक का उद्देश्य सरकार और उद्योग के बीच स्वस्थ संबंधों को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा, हम यहां एक पुल के रूप में कार्य करने और उद्योग और सार्वजनिक सुरक्षा को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर आपसी समझ सुनिश्चित करने के लिए हैं।

यह घटना 4 दिसंबर को हैदराबाद के संध्या थिएटर में हुई, जहां भीड़भाड़ के कारण 35 वर्षीय रेवती की मौत हो गई और उनका बेटा घायल हो गया। अभिनेता अल्लू अर्जुन को स्क्रीनिंग से पहले एक रोड शो आयोजित करने में उनकी कथित भूमिका के लिए 13 दिसंबर को गिरफ्तार किया गया था, जिसके बारे में अधिकारियों का मानना है कि उन्होंने अराजकता में योगदान दिया। अगले दिन उन्हें अंतरिम जमानत दे दी गई।

राष्ट्रपति ने 17 बच्चों को दिया बाल पुरस्कार

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को राष्ट्रपति भवन में 17 बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया। इस बार 14 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 17 बच्चों को इस पुरस्कार के लिए चुना गया था। इनमें 7 लड़के और 10 लड़कियां शामिल हैं। बाल पुरस्कार सात कैटेगरी में दिए गए हैं। जिसमें आर्ट एंड कल्चर, बहादुरी, इनोवेशन, साइंस एंड टेक्नोलॉजी, सोशल वर्क, स्पोर्ट्स एंड एनवॉयरमेंट शामिल है।

पीएम मोदी ने की बाल पुरस्कार विजेताओं से मुलाकात, कहा- बैस्ट की हमारा स्टैंडर्ड होना चाहिए

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित वीर बाल दिवस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में मोदी ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार विजेताओं से मुलाकात की।

पीएम मोदी ने कहा- अगर हम मैन्यूफैक्चरिंग पर काम करें तो उसमें हम दुनिया में बेस्ट हों। अगर स्पेस सेक्टर में काम करें तो दुनिया में बेस्ट हों। बेस्ट ही हमारा स्टैंडर्ड होना चाहिए। उन्होंने कहा कि वीर बाल दिवस हमें प्रेरणाओं से भरता है और नए संकल्पों के लिए प्रेरित करता है। मैंने लाल किले से भी कहा था कि अब बेस्ट ही हमारा स्टैंडर्ड होना चाहिए। हमारे युवा जिस सेक्टर में हों वहां बेस्ट का प्रयास करें। इतिहास से वर्तमान तक, भारत की प्रगति में हमेशा युवा ऊर्जा की बड़ी भूमिका रही है। आजादी की लड़ाई से लेकर 21वीं सदी के जनांदोलनों तक, भारत के युवा ने हर क्रांति में अपना योगदान दिया है।

पीएम मोदी ने कहा कि आज की तेजी से बदलती दुनिया में, नई आवश्यकताएं, नई अपेक्षाएं, अपवाद और भविष्य के लिए नए दृष्टिकोण हैं। यह युग मशीनों से आगे बढ़कर मशीन लर्निंग की ओर बढ़ रहा है। एआई का उपयोग बढ़ रहा है, जो सामान्य सॉफ्टवेयर की जगह ले रहा है। हम हर क्षेत्र में नई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। इसलिए, हमें अपने युवाओं को यह बताना होगा कि आगे कैसा भविष्य है।

मोहन कैबिनेट का फैसला- 11 केवी फीडर्स सोलराइज होंगे

क्षिप्रा नदी किनारे 29 किमी लंबा घाट बनेगा, शत प्रतिशत क्षेत्र को सिंचित बनाने की योजना

भोपाल। मोहन सरकार की साल 2024 की आखिरी कैबिनेट बैठक आज आयोजित हुई है। बैठक में मोहन कैबिनेट ने फैसला किया है कि प्रदेश में बिजली की डिमांड में कमी लाने के लिए 11 केवी फीडर्स को सोलराइज किया जाएगा। इससे किसानों को ठंड के दिनों में बिजली देने की डिमांड को पूरा किया जा सकेगा। सरकार ने यह भी तय किया है कि प्रदेश में शत प्रतिशत क्षेत्र को सिंचित बनाया जाएगा। इसके लिए अधिकारियों को प्लान बनाने के निर्देश दिए गए हैं।

नगरीय विकास और आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि किसानों की डिमांड को देखते हुए 11 केवी फीडर्स को सोलराइज किया जाएगा। इन्हें सोलर प्लांट से जोड़ना है। प्राइवेट सेक्टर भी इन्वेस्ट कर सकता है। भारत सरकार की ओर से प्रति मेगावाट एक करोड़ की सहायता दी जाएगी। इस काम में प्रति मेगावाट 4 करोड़ का खर्च आएगा। योजना में सौ फीसदी लोन मिल जाता है। इसके बाद किसानों को दिन में भी पर्याप्त बिजली दी जा सकेगी। साथ ही कार्बन क्रेडिट का लाभ प्रदेश को मिल सके। इस पर भी काम कर रहे हैं।

केन बेतवा और पार्वती कालीसिंध चंबल नदी परियोजना से प्रदेश का सिंचाई रकबा बढ़ने की स्थिति को देखते हुए मोहन कैबिनेट ने तय किया है कि एमपी को सौ फीसदी सिंचित एरिया बनाया जाएगा। केन बेतवा और पार्वती चंबल कालीसिंध परियोजना से सिंचाई और पीने के लिए पानी मिलेगा। एमपी का सिंचाई रकबा बढ़ेगा। इन परियोजनाओं में 90 फीसदी राशि केंद्र और दस फीसदी राज्य सरकार राशि देगी।

नदी परियोजनाओं को मिली मंजूरी- मंत्री विजयवर्गीय ने बताया कि पार्वती कालीसिंध चंबल नदी जोड़ो परियोजना में 13 जिलों को लाभ मिलेगा। 6.13 लाख हेक्टेयर में नई सिंचाई क्षमता बढ़ेगी। कैबिनेट में प्रस्ताव आया है। इसमें बताया गया कि केन-बेतवा और पार्वती कालीसिंध से जुड़ी हुई 19 परियोजनाएं हैं, उसमें से 16 को आज कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है। दो को पहले ही मंजूरी दी जा चुकी है। एक परियोजना पर काम चल रहा है जिसे जल्द ही मंजूरी दी जाएगी।

उज्जैन में शिप्रा नदी के किनारे 29 किमी लंबा घाट

कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि उज्जैन में सिंहस्थ की तैयारियों के मद्देनजर सरकार ने तय किया है कि शिप्रा नदी के किनारे 29 किमी का घाट बनाएंगे। चूंकि सिंहस्थ के दौरान एक दिन में दो करोड़ लोग आएंगे। इसलिए श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान रख 29 किमी का घाट बनाया जाएगा। जो शनि मंदिर उज्जैन से शुरू होगा। इसकी लागत 771 करोड़ होगी। यह शिप्रा नदी से दाए साइड में शनि मंदिर से नागदा बायपास तक बनेगा।

धरती आबा योजना को कैबिनेट में मंजूरी

विजयवर्गीय ने बताया कि, ट्राइबल एरिया के लिए समेकित योजना के माध्यम से धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष योजना में पंचायत भवन, आंगनबाड़ी स्कूल भवन का पंजीयन और शत प्रतिशत लाभ दिलाने के लिए काम करना है। केंद्र सरकार की योजना के अंतर्गत प्रदेश में 52 जिलों के आदिवासियों को इसका लाभ मिलेगा। इन गांवों में आदिवासियों की संख्या 50 फीसदी से अधिक है।

कैबिनेट में इन पर भी हुए फैसले

- पॉलिटेक्निक, यूनानी कालेज के डॉक्टर्स को इंटर्नशिप मिलती है। इसमें लाभ देने के लिए महंगाई सूचकांक से जोड़ा है। महंगाई बढ़ने के साथ इन्टर्नशिप बढ़ती जाएगी।
- जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र जल्दी मिले, इस व्यवस्था को ऑनलाइन करेंगे। खुद सर्टिफाइड कर लोग प्रमाण पत्र हासिल कर सकेंगे। इसके लिए भटकना नहीं पड़ेगा। गलत सर्टिफाइड करने पर संबंधित व्यक्ति दंडित होगा।
- पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत अटल ग्रामीण सेवा सदन सभी पंचायतों में बनाया जाएगा। जिसमें गांवों की सभी समस्याओं का निराकरण हो सके।
- मोहन सरकार के एक साल पूरे होने पर प्रदेश के 70 फीसदी जिलों में जन कल्याण शिविर लगाए गए हैं। इस दौरान सबसे अधिक 94 हजार फॉर्म योजनाओं के लिए उज्जैन में मिले हैं।

वीर बाल दिवस पर गुरुद्वारा पहुंचे मुख्यमंत्री

हमारे समाज ने बाल दिवस मनाने को लेकर पूर्व में गलती की, पीएम मोदी ने सुधारा: यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि हमारे समाज ने पहले गलती की थी कि किसी दूसरे दिन बाल दिवस मनाया जाता था लेकिन अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाल दिवस 26 दिसम्बर को मनाने का ऐलान कर गलती को सुधारा है।

राजधानी के हमीदिया गुरुद्वारा में गुरु गोविंद सिंह के साहिबजादों का बलिदान दिवस पर माथा टेकने के बाद सीएम यादव ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी की घोषणा के बाद आज वीर बाल दिवस मनाया जा रहा है। सच्चे अर्थों में गुरु गोविन्द सिंह के परिवार के बलिदान को स्मरण कर रहा हूं। इस मौके पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा, सांसद आलोक शर्मा, महापौर मालती राय, नरेंद्र सलूजा सहित कई लोग मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा- हमारे समाज ने पुरानी गलती की थी और किसी और दिन बाल दिवस मानने की। इससे संशोधित करते हुए आज 26 दिसम्बर को बाल दिवस मनाने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि गुरु गोविंद सिंह के चार बच्चों में से दो मैदान में और दो दीवार में हंसते- हंसते देश के लिए बलिदान हो गए। यह पराक्रम, श्रद्धा, आस्था और विश्वास रखने का दिन है कि भविष्य की पीढ़ियां अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए तैयार रहती हैं। परमात्मा से कामना है कि दोबारा ऐसा दिन न आए। जैसे कष्ट गुरुजी और उनके साहिबजादों ने भोगे हैं, ऐसे दिन अब न देखने पड़ें। इसके पहले मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने वीर बाल दिवस पर हमीदिया रोड गुरुद्वारा पहुंचकर माथा टेका। उन्होंने साहिबजादों के बलिदान का स्मरण किया और गुरबाणी का श्रवण भी किया।

मुख्यमंत्री का कैबिनेट मंत्रियों और अफसरों के साथ मंथन शुरू

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज कैबिनेट मंत्रियों और अधिकारियों के साथ मंथन बैठक की शुरुआत की, जिसमें इस साल की सरकार की उपलब्धियों और अगले साल 2025 की प्रमुख प्राथमिकताओं पर चर्चा की गई। पहले यह बैठक पचमढ़ी में आयोजित होने वाली थी, लेकिन केन-बेतवा लिंक परियोजना के शिलान्यास के कारण इसे भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया गया। मंथन बैठक दो सत्रों में आयोजित की जाएगी, जो चार घंटे से अधिक समय तक चल सकती है। इस बैठक में केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना के शिलान्यास पर भी चर्चा होगी, और मुख्यमंत्री परियोजना के फायदे समझाने के लिए उपमुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को निर्देश देंगे। बैठक की शुरुआत से पहले डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि सुशासन की स्थापना के लिए मंथन बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि राज्य और केंद्र की योजनाओं का सही ढंग से क्रियान्वयन होना चाहिए, ताकि योजनाएं बेहतर परिणाम दे सकें।

शिमला-मनाली में बर्फबारी से भारी जाम, 223 से ज्यादा सड़कें बंद, 4 पर्यटकों की मौत!

देहरादून। क्रिसमस के मौके पर हिमाचल प्रदेश के शिमला और मनाली सहित कई पर्यटन स्थलों पर बर्फबारी ने पर्यटकों को मुश्किल में डाल दिया। यहां चारों तरफ बर्फ ही बर्फ दिखाई पड़ रही है। बर्फबारी ने पर्यटकों को आकर्षित किया, लेकिन इसके साथ ही सड़कें बंद हो गई। कुछ वाहन दुर्घटनाओं में 4 लोगों की मौत भी हो गई।

ताजा बर्फबारी के बाद शिमला और मनाली में पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हुई और इन स्थानों ने व्हाइट क्रिसमस का अद्भुत अनुभव दिया है। बर्फबारी के कारण 223 से अधिक सड़कें, जिसमें तीन राष्ट्रीय राजमार्ग भी शामिल हैं, उन्हें बंद कर दिया गया। शिमला और मनाली में रुक-रुक कर बर्फबारी और बारिश हो रही है, जिससे आने-जाने में कठिनाइयां आ रही हैं।

होटलों की में अचानक वृद्धि- शिमला में होटल की बुकिंग 70त से अधिक हो गई और बर्फबारी के बाद इसमें 30त का इजाफा हुआ। शिमला में बर्फबारी के बाद झाखू हिल पर भगवान हनुमान की बर्फ से ढकी प्रतिमा का एक हवाई दृश्य भी सामने आया। बर्फबारी के कारण शिमला, मनाली और अन्य पर्यटन स्थलों में सड़कें बंद हो गईं।

भारी बर्फबारी से सड़के बंद

हिमाचल प्रदेश में ताजा बर्फबारी के कारण 223 सड़कों को बंद कर दिया गया। इनमें तीन राष्ट्रीय राजमार्ग भी शामिल हैं। इन सड़कों में अत्तारी से लेह, संज से ऑट (कुल्लू जिला), खाब संगम (किन्नौर जिला) और ग्रामफू (लाहौल और स्पीति जिला) के रास्ते शामिल हैं। इस दौरान, 1000 से अधिक वाहन सोलांग-रोहतांग क्षेत्र में फंस गए थे। लेकिन, उन्हें सुरक्षित निकाल लिया गया। प्रशासन ने पर्यटकों से बर्फबारी में गाड़ी न चलाने और स्थानीय सलाहों का पालन करने की अपील की है।

मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल में श्रद्धा, गर्व और सम्मान के साथ वीर बाल दिवस मनाया

वीरता आयु की मोहताज नहीं होती: दुर्गा मिश्रा

संत हिरदाराम नगर। मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल में श्रद्धा, गर्व और सम्मान के साथ वीर बाल दिवस का आयोजन किया गया। यह विशेष दिन सिखों के दसवें गुरु, श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के दो साहसी पुत्रों, 9 वर्षीय साहिबजादा जोरावर सिंह और 7 वर्षीय साहिबजादा फतेह सिंह की अप्रतिम वीरता, बलिदान और साहस को स्मरण करने के लिए समर्पित है। इन महान बाल वीरों ने धर्म और मानवता की रक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर एक अमर मिसाल पेश की। इस आयोजन ने बच्चों को साहिबजादों के जीवन से प्रेरणा लेने और उनके आदर्शों को अपनाने का अवसर प्रदान किया। वीर बाल दिवस हमारे समाज में त्याग, साहस और कर्तव्यपालन की भावना को मजबूत करने का सशक्त माध्यम है। विद्यालय की शिक्षिका, श्रीमती दुर्गा मिश्रा ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, फजैसे गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादों ने धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व बलिदान किया, वैसे ही हमें भी अपने कर्तव्यों और मूल्यों के लिए तत्पर रहना चाहिए। आपने कहा कि साहिबजादों की गौरवगाथा हमें सिखाती है कि सच्चा साहस आयु से परे होता है। यह आयोजन बच्चों को अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक बनाने के साथ-साथ समाज में सशक्त मूल्यों की स्थापना की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। विद्यालय प्राचार्य, श्री अजय बहादुर सिंह ने अपने संबोधन में कहा, फत्याग और समर्पण के बिना कोई भी उपलब्धि संभव नहीं। वीर बाल दिवस का उद्देश्य हमारे गौरवशाली इतिहास और विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाना है। कार्यक्रम में उप प्राचार्या श्रीमती दीपा एंथोनी, समस्त कॉर्डिनेटर, शिक्षकगण और छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस आयोजन ने सभी के दिलों में देशभक्ति, त्याग और साहस की भावना को प्रज्वलित किया।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री एवं भाजपा के करोड़ो कार्यकर्ताओं के प्रेरणापुंज भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती सुशासन दिवस अपने निवास स्थित कार्यालय पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

इक़बाल मैदान पर धारा 144 हटाने के संदर्भ में कलेक्टर ज्ञापन सौंपा

भोपाल। विरासत-ए-भोपाल मंच आपको सूचित करता है कि संस्था द्वारा 24 दिसंबर को भोपाल के ऐतिहासिक इक़बाल मैदान पर लगी धारा 144 हटाने के संदर्भ में एक ज्ञापन जिलाधीश/कलेक्टर महोदय को ज्ञापन सौंपा गया। आज इस अवसर पर मोहसिन अली खान और विरासत से भोपाल मंच के पूर्व महापौर दीपचंद यादव एडवोकेट साजिद अली साहू जैन साहब और भोपाल नवाब मुख्य रूप से उपस्थित हुए। इस दोरान मंच के सदस्य, वरिष्ठ नागरिक, और भोपाल के जागरूक नागरिक उपस्थित रहेंगे, जो इक़बाल मैदान को पुन: सार्वजनिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए खोलने की माँग करेंगे। आज कलेक्टर को ज्ञापन देने के पहले मोहसिन अली खान और उनकी विरासत भोपाल मंच की टीम ने टू व्हीलर फोर व्हीलर बाइक से सांत्वना रैली कोई फिजा के विभिन्न मार्गो से होती हुई कलेक्टर ऑफिस पहुंची कलेक्टर ऑफिस में पहुंचकर कलेक्टर साहब को ज्ञापन दिया।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, पर्यावरण, जल संरक्षण, प्लास्टिक का इस्तेमाल नहीं करने का लिया संकल्प

भोपाल। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, जल बचाओ, प्लास्टिक का इस्तेमाल नहीं करने, पर्यावरण संरक्षण जैसे संकल्पों के साथ प्रांतीय भूमिहार ब्राह्मण सेवा समिति का वार्षिकोत्सव सह परिवार परिचय सम्मेलन बुधवार को तरुण पुस्कर मैरिग गार्डन रत्नागिरी में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि प्रभात कुमार सिन्हा, अमरेश सिन्हा, शशि रंजन प्रसाद, कैप्टन व्ही पी सिंह, नीरज ठाकुर और रविशंकर शर्मा ने भगवान परशुराम और दंडी स्वामी सहजानंद सरस्वती को पुष्पांजलि अर्पित कर की। इस मौके पर भूमिहार समुदाय से ताल्लुक रखने वाली भोजपुरी गायिका शारदा सिन्हा को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मीडिया प्रभारी संतोष कुंवर ने बताया कि कार्यक्रम में विगत वर्षों में सेवा समिति द्वारा किए उत्कृष्ट कार्यों का लेखा-जोखा समाज के सामने रखा गया। सेवा समिति के नवगठित महिला मंडल की घोषणा की गई। इस मौके पर अध्यक्ष अखिलेश्वर राय, मार्गदर्शक शिवशंकर सिंह, महासचिव मुकेश पाण्डेय, सचिव टिंकेश राज, ने समाज को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। आयोजन में भोपाल सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों, इंदौर, देवास, रायसेन आदि से हजारों की संख्या में समाजजन शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि द्वारा मेधावी बच्चों को उपहार और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। समाज के अतिवरिष्ठ महिला और पुरुष अभिभावकों का शाल श्रीफल और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। खेल प्रतियोगिता के विजेता बच्चों और महिलाओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सामाज के विवाह योग्य वर-वधु और परिजनों ने अपना परिचय दिया। राज शर्मा द्वारा भजनों, गीतों की प्रस्तुति दी गई।

महापौर मालती राय ने सांसद शर्मा के साथ मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक का किया लोकार्पण

भोपाल। महापौर श्रीमती मालती राय ने सांसद श्री आलोक शर्मा, विधायक श्री आतिक अकील के साथ गौतम नगर गीतांजलि कॉलेज के पास नवनिर्मित मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक का लोकार्पण किया। लोकार्पण अवसर पर महापौर परिषद के सदस्य श्री मनोज राठौर, जोन अध्यक्ष श्री देवेन्द्र भार्गव, पार्षद श्री शैलेष साहू सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

दिव्यांग, बुजुर्गों समेत 270 बच्चों ने भोपाल उत्सव मेले में झूलों का उठाया लुत्फ, समिति ने गिफ्ट भी दिए

सांध्य प्रकाश संवाददाता
भोपाल

सामाजिक सरोकार की जो परंपरा विगत 32 वर्षों से चली आ रही है उसी तारतम्य में भोपाल उत्सव मेला समिति ने मंगलवार और बुधवार को उमंग गौरव दीप वेलफेयर सोसाइटी के विशेष बच्चे, अयोध्या नगर स्थित हर्षडी सोशल वेलफेयर सोसाइटी, अपना घर वृद्धाश्रम और एकजुट संस्था के स्लम एरिए के बच्चों और स्टाफ सहित कुल 270 लोगो को मेले का भ्रमण कराया । बच्चों ने झूले और स्वल्पाहार का लुत्फ उठाया । साथ ही दैनिक जीवन में स्वच्छता,शहर की हरितिमा को सहेजने के लिए गोकाष्ठ का उपयोग, पालीथीन और डिस्पोजल से परहेज जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा उन्हें जानकारी प्रदान की गई । आयोजन समन्वयक मम्तेश शर्मा ने बताया कि मेले प्रबंधन की ओर से महामंत्री सुनील जैनाविन,अशोक गुप्ता, अरुण चौधरी, डीसीपी ट्रैफिक संजय सिंह, सुमित गर्ग,डॉ महेश गुप्ता, नारायण सिंह कुशवाहा,नितिन आम्रपाली और वीरेंद्र जैन श्रीजी ने सभी बच्चों को गिफ्ट देकर विदा किया । सामाजिक कार्यकर्ता पूर्णा सिंह, समता अग्रवाल, मीता वाधवा, विभा सर्गा,डॉ लालिमा शर्मा, माधुरी मिश्रा,दीप्ति पटवा, नेहा ममतानी और डॉ उमेश दीक्षित ने इस सार्थक पहल के लिए भोपाल उत्सव मेला समिति को साधुवाद दिया ।

नाट्य समारोह में ओरछा के राजा राम नाटक की आकर्षक प्रस्तुति

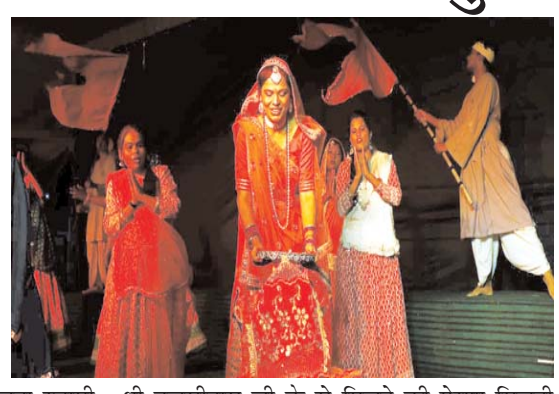

भोपाल। करोंद स्थित पार्क नंबर 2, कृषि नगर में, बसंत एजुकेशनल कल्चरल वेलफेयर सोसाइटी,द्वारा, सांस्कृतिक संध्या एवं नाट्य समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में पूर्वरंग में शिविका कटारिया द्वारा नृत्य की प्रस्तुति दी गई तथा उसके बाद रिफ्लेक्शन सोसाइटी फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स एंड कल्चर, भोपाल द्वारा, शिवांगी सिंह भदौरिया द्वारा लिखित और तनवीर अहमद द्वारा निर्देशित नाटक ओरछा के राजा राम का सफल एवं भावपूर्ण मंचन किया गया। गीत रचना स्वामी राजेश्वरानंद सरस्वती महाराज की थी। रानी कुंवर गणेश श्री राम की परम भक्त और ओरछा नरेश मधुकर शाह की पत्नी हैं। वहीं राजा मधुकर शाह श्री कृष्ण के परम भक्त हैं। दोनो अपने-अपने ईष्ट के प्रति अपनी आस्था पर अडिग है ।कई धार्मिक कथाओं में उल्लेख है ,की कैसे भगवान अपने भक्तों की परीक्षा लेते हैं और फिर उन्हें अपनी कृपा से धन्य करते हैं। रानी कुँवर गणेश की कहानी भी हमें यही बताती है। एक बार अपने अयोध्या प्रवास के दौरान,आराध्य श्री राम की भक्ति-वत्सलता के भरोसे रानी अपने पति मधुकर शाह को एक घटनाक्रम के चलते वचन दे देती हैं,कि वह प्रभु श्री राम को अयोध्या से लेकर ही ओरछा वापस आएंगी। जब उन्होंने यह वचन दिया होता है ,तब स्वयं उन्हें भी यह नहीं पता होता कि कैसे वह अपने वचन को पूर्ण कर पाएंगी। परंतु उन्हें अपने इष्ट श्रीराम पर पूर्ण भरोसा होता है। इसी विश्वास के चलते वे उनके लिए तप करना प्रारंभ कर देती है। और अयोध्या में तप करते-करते उन्हें काफी समय बीत जाता है। उनको श्री राम के दर्शन की कोई आशा नहीं दिखती हैं,तभी उन्हें एक पुजारी के द्वारा श्री तुलसीदास जी के से मिलने की प्रेरणा मिलती है। उन्हें तुलसीदास जी के दर्शन होते हैं, तत्पश्चात उन्हें नया विश्वास जागता है,और आगे की राह मिलती है। रानी अपने विश्वास और समर्पण के बल पर श्री राम के दर्शन को प्राप्त कर लेती हैं। उसके बाद रानी की आखिरी परीक्षा और रह जाती है। भगवान राम उनसे तीन वचन मांगते हैं। उन तीनों वचनों को पूर्ण करने का वचन,रानी श्री राम को दे देती है। ओरछा में श्री राम के राजा रूप में स्थापित होना भगवान की लीला तो है ही, इसके साथ ही रानी कुँवर गणेश की अपने आराध्य के प्रति समर्पण,दृढ़ निश्चय,भक्ति,प्रेम और विश्वास की स्थापना की गाथा भी है।

इन कलाकारों की रही भागेदारी: रानी गणेश कुंवर- शिवांगी सिंह भदौरिया ,मधुकर शाह - भरत सिंह बमनेले श्री राम- डायमंड सोनी तुलसीदास जी- दिव्यांश सिंह सेंगर महेंद्र शुक्रवारे ,प्रतिज्ञा गिरी गोस्वामी,ललिता धृत लहरे, रविकांत,उमंग चौधरी,रितिक यादव मंच परे संगीत परिकल्पना - माधव सिंह राजपूत-तबला वादक - विवेक घोसले बांसुरी वादक - जितेंद्र परमार- प्रकाश-धन्नु लाल सिन्हा।

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में मनाया गणित दिवस

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में गणित दिवस का आयोजन बड़े उत्साह और उल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिष्ठित शिक्षाविद् सभाकांत द्विवेदी, असोसिएट प्रोफेसर, गणित विभाग, इंस्टीट्यूट ऑफ एक्सीलेंस इन हायर एजुकेशन एवं समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ अनिल राजपूत, प्रोफेसर गणित, ओ. एस. डी., उच्च शिक्षा, मध्यप्रदेश भोपाल उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। सर्वप्रथम वीरता, साहस, त्याग और धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने वाले चारों साहिबजादो, गुरु गोबिंद सिंह के पुत्रों की स्मृति को एक लघु फिल्म द्वारा श्रद्धांजलि दी गई। इसके उपरांत राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने अपने उद्बोधन में कहा कि गणित हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा है। यह न केवल तार्किक सोच और समस्या समाधान को प्रोत्साहित करता है, बल्कि हमारे भविष्य के नवाचारों का आधार भी है। मुख्य अतिथि सभाकांत द्विवेदी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि गणित केवल अंकों और समीकरणों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारी सोचने की शक्ति को भी विकसित करता है। उन्होंने रामानुजन के योगदान पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को प्रेरित किया कि वे गणित के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करें।

भोजपाल महोत्सव मेला चार दिन शेष, वीआर डांस ग्रुप और केजी कलेक्टिव बैंड ने दी प्रस्तुति

भोपाल। राजधानी के भेल दशहरा मैदान पर चल रहे भोजपाल महोत्सव मेला मंच पर बुधवार को वीआर डांस ग्रुप और के.जी कलेक्टिव बैंड ने प्रस्तुति दी। मुख्य अतिथियों ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस मौके पर मेला अध्यक्ष सुनील यादव, संयोजक विकास विरानी, महामंत्री हरीश कुमार राम, उपाध्यक्ष वीरेंद्र तिवारी, सुनील शाह, महेंद्र नामदेव, अखिलेश नागर, विनय सिंह, केश कुमार शाह सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

बुधवार को डेढ़ लाख से ज्यादा लोग परिवार के साथ मेला देखने पहुंचे। 15 नवंबर से चल रहे भोजपाल महोत्सव मेले में अब तक 20 लाख से ज्यादा लोग शिरकत कर चुके हैं। मेला अध्यक्ष सुनील यादव ने कहा कि यह शहरवासियों को प्यार और आशीर्वाद है, जो भरपूर मिल रहा है। मेले में सामाजिक सरोकार के तहत ब्लड डोनेशन कैम्प लगाकर गंभीर रोग से पीड़ित मरीजों के लिए खून की व्यवस्था की गई।

मेले में आने वाले बुजुर्गों के लिए मेला घूमने के लिए व्हील चेयर की सुविधा दी जा रही है। ऐसे में मेला घूमने आने वाला परिवार

अब बुजुर्गों को घर पर छोड़कर नहीं, बल्कि साथ में लेकर आ रहे हैं। यहां किसी तरह की दिक्कत होने पर मेडिकल सुविधा के लिए मिनी अस्पताल, एम्बुलेंस की सुविधा उपलब्ध है। मेले में आने वाली महिलाओं और लोगों की सुरक्षा के लिए पुलिस चौकी स्थापित की गई है। मेला कार्यालय में संचलित खोया पाया विभाग तत्परता से लोगों की मदद कर रहा है। इसकी जिम्मेदारी संभाल रहे समिति के सदस्य दीपक शर्मा ने बताया कि मेले में आने वाले लोगों का मोबाइल, पर्स, चाबी, चैन, मंगलसूत्र जैसे कीमती सामान दुकानों पर छूटता है, तो दुकानदार, कहीं गिरा मिलता है तो आमजन उसे मेला कार्यालय तक पहुंचाते हैं। इसका इनाउंस कर संबंधित लोगों को उनका सामान लौटाया जाता है। अब तक सैकड़ों मोबाइल, सोने के चेन, मंगलसूत्र, चाबी आदि लौटाई जा चुकी है।

आधा सत्र बीता, पर नहीं बंटी बच्चों को ड्रेस,घर के कपड़े पहनकर स्कूल पहुंच रहे जिले के छात्र डीपीसी और डीईओ की अनदेखी का नतीजा

सीहोर। जिले में शिक्षा का स्तर सुधारने के लिए प्रदेश सरकार भले ही करोड़ों रुपए खर्च कर रहा हो, लेकिन जमीनी स्तर के अधिकारियों की अनदेखी के चलते शिक्षा विभाग की योजनाओं का लाभ सरकारी स्कूलों में पढने़ वाले बच्चों को नहीं मिल रहा है।

ताजा मामला जिले के शासकीय स्कूलों में पढने़ वाले स्कूली बच्चों की गणवेश से जुड़ा है। जुलाई से प्रांरभ होने वाले स्कूली सत्र के छह महीने बीतने के बाद भी अब तक बच्चे अपनी स्कूल ड्रेस का इंतजार कर रहे हैं। यहां यह उल्लेखनीय है कि हर वर्ष जुलाई-अगस्त माह में शासकीय स्कूल की कक्षा एक से आठ तक के बच्चों के लिए निशुल्क ड्रेस का वितरण स्कूलों में कार्यक्रम आयोजित कर किया जाता है, लेकिन इस बार यह वितरण छह महीने से भी अधिक समय बीतने के बाद भी नहीं हो सका है। डीपीसी कार्यालय के सूत्रों की माने तो हर वर्ष जिले के कक्षा एक से आठ तक के छात्रों की संख्या के मान से स्कूल ड्रेस की डिमांड राज्य शिक्षा केंद्र भेज दी जाती थी, लेकिन इस वर्ष यह डिमांड अक्टूबर माह तक भेजी ही नहीं जा सकी, इधर राज्य स्तर पर भी समय-समय पर गणेवश की राशि को लेकर ठोस चर्चा नहीं होने के कारण आधा सत्र बीतने के बाद भी सिविल ड्रेस (स्कूली बच्चों को घर के कपड़े पहनकर) स्कूल आने को मजबूर होना पड़ रहा है। जुलाई माह से प्रारंभ हुए नवीन शिक्षा सत्र में दिसंबर महीने की 24 तारीख बीतने के बाद भी जिले के सरकारी स्कूलों के बच्चों को गणवेश नहीं मिल सकी है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि शासकीय स्कूलों की ओर से जुलाई और अगस्त महीने में ही अपने यहां अध्ययरत बच्चों के लिए ड्रेस की डिमांड डीपीसी कार्यालय भेज दी गई थी।

भोपाल। देश के पूर्व राष्ट्रपति भोपाल के गौरव सपूत डॉक्टर शंकर दयाल शर्मा की 25 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर रेट घाट चौराहे स्थित उनकी प्रतिमा पर जिला कांग्रेस कमेटी भोपाल शहर द्वारा पुष्पांजलि अर्पित की गई, जिसमें जिला कांग्रेस अध्यक्ष भोपाल शहर प्रवीण सक्सेना,वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरुण श्रीवास्तव, डॉ शंकर दयाल शर्मा परिजन, महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष श्रीमती संतोष कंसाना, युवा कांग्रेस कार्यवाहक जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा सहित वरिष्ठ कांग्रेस जन, सामाजिक जन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्वालियर गौरव दिवस पर किया प्रतिभाओं का सम्मान

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी का व्यक्तित्व विराट था। उन्होंने विकास के लिए समग्र दृष्टिकोण अपनाया। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के माध्यम से गांव-गांव तक पक्की सड़कें बनवाई गईं। आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मध्यप्रदेश की धरती पर देश की पहली नदी जोड़ो परियोजना का भूमि-पूजन कर स्व. वाजपेयी के स्वप्न को साकार किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को ग्वालियर में आयोजित ग्वालियर गौरव दिवस समारोह% को संबोधित कर रहे थे। ग्वालियर गौरव दिवस स्व. वाजपेयी की सौवीं जयंती पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न विभूतियों को ग्वालियर गौरव सम्मान से विभूषित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्व. वाजपेयी जी की स्मृतियां सिर्फ ग्वालियर से ही नहीं जुड़ी हैं। श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने बड़नगर में प्रारंभिक स्कूली शिक्षा प्राप्त की थी। अटल स्मारक के अलावा प्रदेश में स्व. वाजपेयी के जीवन से जुड़े स्थानों पर उनसे जुड़ी स्मृतियों को संजोने के लिए एक समिति गठित की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्व. वाजपेयी ने युवा अवस्था में ही एक जनप्रतिनिधि के तौर पर अपने व्यक्तित्व से सभी को चमत्कृत कर दिया था। वे शब्दों के जादूगर थे। हिन्दी के बड़े प्रचारक थे। उन्होंने जय विज्ञान का नारा भी दिया। शिक्षा के क्षेत्र में बच्चों को स्कूल चलें हम अभियान के माध्यम से प्रेरित किया। वे कठिनाईयों के बीच समस्याओं के समाधान का

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने बुधवार को खजुराहो में मतंगेश्वर महादेव के दर्शन व पूजन कर प्रदेशवासियों की सुख - समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी मुकेश सिंह चतुर्वेदी एवं प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल ने भी दर्शन कर आशीर्वाद लिया।

पुलिस की राष्ट्रीय स्तरीय कम्प्यूटर अवेयरनेस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान एवं टीम में चयन होने पर किया सम्मान

भोपाल। राज्य अपराध अभिलेख ब्यूरो एस.सी.आर.बी., पुलिस मुख्यालय द्वारा 68वीं अखिल भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट 2024-2025 के अंतर्गत मध्यप्रदेश पुलिस की राज्य स्तरीय कम्प्यूटर अवेयरनेस प्रतियोगिता का आयोजन पुलिस अकादमी भौंरी में किया गया। इसी दौरान मध्यप्रदेश पुलिस की राष्ट्रीय स्तरीय कम्प्यूटर अवेयरनेस प्रतियोगिता की टीम का गठन किया गया है। जिसमें उप निरीक्षक-अ धर्मेन्द्र तोमर, प्रशासन शाखा विधि-2, पुलिस मुख्यापलय, भोपाल द्वारा ईवेंट-2 ऑफिस ऑटोमेशन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने एवं मध्यप्रदेश पुलिस की राष्ट्रीय स्तरीय कम्प्यूटर अवेयरनेस प्रतियोगिता की टीम में चयनित होने के फलस्वरूप विजय कटारिया, भा.पु.से, विशेष पुलिस महानिदेशक प्रशासन, पुलिस मुख्यायलय, भोपाल सहित चंचल शेखर, भा.पु.से., अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ए.डी.जी., राज्य अपराध अभिलेख ब्यूरो एस.सी.आर.बी., पुलिस मुख्यालय, भोपाल, रुचिवर्धन मिश्र, भा.पु.से., पुलिस महानिरीक्षक प्रशासन, सतेन्द्र कुमार शुक्ल, भा.पु.से., उप पुलिस महानिरीक्षक प्रशासन, अनुराग सुजानिया, भा.पु.से., सहायक पुलिस महानिरीक्षक प्रशासन, नीतू ठाकुर, सहायक पुलिस महानिरीक्षक कार्मिक एवं बीना सिंह, सहायक पुलिस महानिरीक्षक विधि-2 द्वारा धर्मेन्द्र तोमर, उप निरीक्षक-अ को सम्मानित किया गया एवं राष्ट्रीय स्तरीय कम्प्यूटर अवेयरनेस प्रतियोगिता की टीम में चयनित होने पर आशीष व शुभकामनाऐं दी गईं। साथ ही विजय कटारिया, भा.पु.से., विशेष पुलिस महानिदेशक प्रशासन, पुलिस मुख्यालय द्वारा धर्मेन्द्र तोमर को नगद पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त पुलिस मुख्यालय की प्रशासन शाखा, कार्मिक शाखा, विधि-2 शाखा, डी.ई. एण्ड अपील शाखा, विशेष शाखा सहित राज्य अपराध अभिलेख ब्यूरो (एस.सी.आर.बी.) में पदस्थ समस्त अधिकारियों/ कर्मचारियों द्वारा भी धर्मेन्द्र तोमर को शुभकामनाऐं दी गईं।

प्रदेश की बेटियों ने राष्ट्रीय निशानेबाजी चैम्पियनशिप में जीते 4 पदक

भोपाल। 67वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैम्पियनशिप 2024 में मध्यप्रदेश की बेटियों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 4 पदक जीतकर प्रदेश का मान बढ़ाया। इस गौरवशाली उपलब्धि पर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पदक विजेता और प्रदर्शन विवरण: 50 मीटर राइफल जूनियर महिला सिविलियन टीम, टीम सदस्य- योगेश्वरी बाईस, शरण्या लखन, खुशी सिंह ने गोल्ड, 50 मीटर राइफल जूनियर महिला ड्डस्स्त्र व्यक्तिगत नुपुर कुमरावत ने सिल्वर, 50 मीटर राइफल सीनियर महिला ड्डस्स्त्र टीम टीम सदस्य- आशी चौकसे, नुपुर कुमरावत, सुमन चौहान ने सिल्वर, 50 मीटर राइफल जूनियर महिला सिविलियन व्यक्तिगत योगेश्वरी बाईस ने ब्रॉन्ज हासिल किया।

सहकार से समृद्धि राज्य स्तरीय संगोष्ठी में शामिल हुए सहकारिता मंत्री

हर पंचायत में रोजगार और सुव्यवस्थित सहकारी आंदोलन ही हमारा लक्ष्य: सारंग

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि हर पंचायत में पैक्स, सभी को रोजगार और सुव्यवस्थित सहकारी आंदोलन ही हमारा लक्ष्य है। सहकारिता को आगे बढ़ाने के लिये इसका विस्तार पंचायत स्तर पर करना होगा। सहकारिता के हर एक मूल भाव को आत्मसात करते हुए देश को समृद्ध बनाना ही हमारा लक्ष्य है। पैक्स के माध्यम से हर पंचायत तक रोजगार सृजित हो, इसके लिये बहुउद्देश्यीय पैक्स की अवधारणा गठित की गयी है।

मंत्री श्री सारंग बुधवार को भोपाल के समन्वय भवन में आयोजित सहकार से समृद्धि राज्य स्तरीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम के पूर्व नई दिल्ली में केन्द्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने 10 हजार नवगठित बहुउद्देश्यीय पैक्स, डेयरी और मत्स्य सहकारी समितियों का उद्घाटन किया। कार्यक्रम से सभी प्रदेशों के सहकारिता विभाग के अधिकारी वर्चुअली शामिल हुए।मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में आमूलचूल परिवर्तन हुए हैं। समृद्ध राष्ट्र के लिये समाज को जोड़ने की जरूरत है और समाज को जोड़ने का केवल एक ही प्रकल्प है, सहकारिता। समाज का निर्माण सहकारिता के माध्यम से ही होता है। सभी की भागीदारी के साथ लक्ष्य को साधने का नाम ही सहकारिता है। परिवार सहकारिता का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। रोजमर्रा की जिंदगी में भी सहकारिता के बिना कुछ नहीं हो सकता। सभी की भागीदारी महत्वपूर्ण होती है। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि भागीदारी और बराबरी होने से अच्छे परिणाम निकलने का प्रतिशत बढ़ जाता है। सहकारी आंदोलन को मजबूत बनाने के लिये सभी वर्ग को जुड़ना होगा। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में हर पंचायत में पैक्स का लक्ष्य पूर्ण करने में सभी की भागीदारी सुनिश्चित हो। पैक्स के माध्यम से रोजगार सृजित हों और सदस्यों को लाभ मिले। उन्होंने कहा कि पैक्स पशुपालन, मत्स्य-पालन और ऋण वितरण तक ही सीमित नहीं रहे, पैक्स पेट्रोल पम्प और गैस एजेंसी भी चलाये, जिसके पास जगह हो वह शादी हॉल, मैरिज गार्डन भी बनायें, इससे पैक्स मजबूत होगा।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि अगले साल तक हर पंचायत में पैक्स हो, यही संकल्प लेने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हमारा नारा है कि बिना सहकार नहीं उद्धार और बिना संस्कार नहीं सहकार। पूर्ण अनुशासन में संस्कार के साथ सहकारी आंदोलन को मध्यप्रदेश में स्थापित करने के लक्ष्य में सभी का सहयोग आवश्यक है। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का भी लक्ष्य है कि रोजगार सृजित कर हर घर तक रोजगार पहुँचे। इसमें पैक्स की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। युवा साथियों के माध्यम से हम सुनिश्चित करेंगे कि पैक्स बहुउद्देश्यीय हो जाये। उन्होंने कहा कि जल्द ही हम सहकारी मंथन के माध्यम से नीचे से लेकर ऊपर तक सभी के साथ संवाद करेंगे और अगले वर्षों का लक्ष्य निर्धारित करेंगे।

भोपाल। लोधा लोधी लोध समाज का युवक युवती परिचय सम्मेलन एवं पारिवारिक मिलन समारोह का आयोजन मानस भवन में किया गया।

वीर बाल दिवस सप्ताह में विद्यार्थियों ने बनाये शहीदों के चित्र

भोपाल। प्रदेश की शिक्षण संस्थाओं में %वीर बाल दिवस% सप्ताह के मौके पर 26 दिसम्बर तक विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इस दौरान स्कूलों में विद्यार्थियों ने गुरू गोविंद सिंह जी के वीर पुत्रों साहिबजादा जोरावर सिंह और फतेह सिंह की शहादत पर चित्र बनाए। प्रदेश के अनेक स्कूलों में %मेरे सपनों का भारत%, %मुझे किससे खुशी होती है%, %राष्ट्र निर्माण में बच्चों की भूमिका% और %विकसित भारत के लिये मेरा दृष्टिकोण% विषय पर चित्रकला, निबंध लेखन, कविता और डिजिटल प्रेजेन्टेशन के माध्यम से अपने विचार व्यक्त किये। अनेक स्कूलों में प्रार्थना सभा और विशेष सत्र आयोजित कर विद्यार्थियों की प्रेरणा के लिये प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार प्राप्त बच्चों की प्रेरणादायी कहानी सुनाई गई। उल्लेखनीय है कि सिक्खों के 10वें गुरू गोविंद सिंह जी के वीर पुत्रों ने 26 दिसम्बर 1705 को 9 वर्ष और 6 वर्ष की अल्पायु में अपने प्राणों की आहुति दी थी। इन दोनों महान बाल वीरों को श्रद्धांजलि देने के लिये स्कूलों में यह आयोजन किये गये। इस संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग ने जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी किये थे।

धनवंतरि पार्क में हुआ केशरवानी वैश्य समाज का मिलन समारोह

भोपाल। केशरवानी वैश्य समाज का मिलन समारोह धनवंतरी पार्क में आयोजित किया गया। सर्व प्रथम दीप प्रजलवन कर कश्यप मुनि की आराधना की गई। इसके बाद सभी बुजुर्गों का शाल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम नृत्य और गायन आयोजित किए गए। समाज के श्रमिक नेता दीपक गुप्ता ने अपने भाषण में कहा की समाज में सबसे पीछे खड़े व्यक्ति को आगे लाना ही समाज की प्रगति है। दीपक गुप्ता के कहा की सभी समाज को मध्यप्रदेश सरकार द्वारा भूमि आवंटित हो। हम सभी लोगों को आगे आ कर सरकार से केशरवानी समाज के नाम से भूमि लेकर धर्मशाला का निर्माण किया जाना चाहिए। समाज के वरिष्ठ जे पी गुप्ता द्वारा लिखित पुस्तक का भी विमोचन किया गया। समाज के अध्यक्ष अनिल गुप्ता द्वारा सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में मुख्यरूप से संरक्षक महेश प्रसाद गुप्ता, अमृत लाल गुप्ता, प्रदीप केशरवानी, रामस्वरूप गुप्ता, सचिव संजय गुप्ता, राजेश गुप्ता सहित सैकड़ों सामाजिक जन शामिल हुए।

हिंदी भवन में शरद व्याख्यानमाला एवं सम्मान समारोह का आयोजन

हमें अपना गौरवशाली अतीत दुनिया के सामने लाना होगा: परमार

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

भारत के पास अपना चिंतन और दर्शन है। कई सालों तक षडयंत्रपूर्वक भारत को अशिक्षित बताया जाता रहा। लेकिन सोचने वाली बात है कि यदि भारत अशिक्षित देश था तो यहां नालंदा जैसा विश्वविद्यालय और पुस्तकालय कैसे था। प्रकृति की रक्षा का भाव इस देश में कैसे पैदा हुआ? इन सब बातों को केंद्र में रखते हुए हमें हमारे गौरवशाली अतीत को दुनिया के सामने लाना चाहिए। उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदरसिंह परमार बुधवार को हिंदी भवन में आयोजित शरद व्याख्यानमाला और सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे।

म.प्र. राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के इस वार्षिक आयोजन में सामयिक विषयों पर व्याख्यान के साथ ही आठ विभूतियों को राष्ट्रीय सम्मान भी प्रदान किये गये। कार्यक्रम की अध्यक्षता मानस भवन के कार्यकारी अध्यक्ष रघुनंदन शर्मा ने की। व्याख्यान माला के अंतर्गत प्रो. शरद सोनी ने 'वैश्विक संकट- सभ्यतागत संघर्ष की आहट' तथा प्रो. शंकरशरण ने 'भारतीयता का संस्कार देने की दिशा' विषय पर व्याख्यान दिये। मंत्री श्री परमार ने कहा कि हमें हमारी ज्ञान परंपरा की रक्षा के साथ सीमाओं की रक्षा भी करनी चाहिए। हमारी संस्कृति पर हमले करने वाले सीमा पार कर ही आये थे। मानस भवन के कार्यकारी अध्यक्ष श्री शर्मा ने कहा कि आज 25 दिसंबर का दिन है,यह भारत के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण दिन है। इस दिन पूर्व प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी तथा मदनमोहन मालवीय का जन्म दिवस है। इस दिन के साथ मीठी स्मृतियों के साथ ही कुछ खट्टी यादें भी हैं।

समिति के मंत्री संचालक श्री कैलाशचंद्र पंत ने कहा कि समाज में विमर्श का वातावरण बने इसके लिए समिति द्वारा विभिन्न व्याख्यान मालाएं आयोजित की जाती हैं। शरद व्याख्यान माला उन्हीं में से एक है। इसमें साहित्येतर विषयों पर वक्तव्य होते हैं। इसके पूर्व समिति के सहमंत्री डॉ. संजय सक्सेना ने अतिथियों का स्वागत् किया। सरस्वती वंदना राजकुमारी शर्मा ने प्रस्तुत की। संचालन साहित्यकार डॉ. अनिता सक्सेना ने किया तथा आभार प्रदर्शन रंजना अरगड़े ने किया। नरेश मेहता स्मृति वांग्मय सम्मान से सुप्रसिद्ध लेखक प्रमोद भार्गव, वीरेन्द्र तिवारी रचनात्मक सम्मान शिशिर कुमार चौधरी, बैतूल, शैलेश मटियानी कथा सम्मान शीला मिश्रा, भोपाल, सुरेशचन्द्र शुक्ल 'चन्द्र' नाट्य सम्मान जयंत शंकर देशमुख, मुंबई,डॉ. प्रभाकर श्रोत्रिय स्मृति आलोचना सम्मान के. वनजा, कोच्ची, शंकरशरण लाल बत्ता पौराणिक सम्मान मोहन तिवारी आनंद, भोपाल, संतोष बत्ता स्मृति सम्मान इंदिरा दाँगी, भोपाल, संतोष श्रीवास्तव कथा सम्मान प्रभा पंत, हल्द्वानी को प्रदान किया गया। प्रभा पंत के अनुपस्थित रहने की दशा में उनकी बेटी ने सम्मान प्राप्त किया। सम्मानित रचनाकारों को नगद राशि शॉल, श्रीफल प्रशस्ति पत्र भेंट किया गया।

व्याख्यानों के चरण में प्रो. शंकर शरण ने 'भारतीयता का संस्कार देने की दिशा' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि आज भारत में भारतीयता के संस्कार की दिशा पर बात हो रही है। यह दुःखद स्थिति है। शायद मुगल और ब्रिटिश शासन में भी यह स्थिति नहीं रही। उन्होंने कहा कि हम हमारे संस्कारों से उदासीन क्यों हुए, इन विषयों की पड़ताल करनी होगी। इसकी वजह यह भी हो सकती है कि भौतिक प्रगति की चाह में हमारी शिक्षा और भाषा विदेशी विचारों से प्रभावित रही। अभारतीय भाषा ने हमारे आचार-विचार और संस्कृति को प्रभावित किया।

स म्पा द की य

पॉपकॉर्न बनाम जीएसटी

हाल ही में पॉपकॉर्न पर जीएसटी का मामला बहुत चर्चाओं में रहा। इस पर सोशल मीडिया में जमकर बहस भी हुई और मीम्स भी बने। इसके बाद इस पर विभाग की तरफ से सफाई भी जारी हुई कि लूज पॉपकॉर्न पर 5 फीसदी जीएसटी ही रहेगा। लेकिन यह सफाई किसी काम की नहीं, क्योंकि पॉपकॉर्न बाजार में महंगा तो हो ही गया। बात यदि जीएसटी की करें, तो आम आदमी से वाकई हलाकान है, सरकार ने इतने टैक्स लाद दिये हैं कि टैक्स देते-देते जिंदगी बीत जाती है, टैक्स खत्म नहीं होते।

पहले पॉपकॉर्न की बात करते हैं। जीएसटी काउंसिल की बैठक हुई तो अचानक पॉपकॉर्न पर जीएसटी चर्चाओं में आ गया। विभाग का कहना है कि जिस पॉपकॉर्न को नमक और मसालों (सॉल्ट और स्पाइसेज) के साथ मिलाया गया हो उसे जीएसटी नियम के तहत नमकीन की कैटेगरी में रखा गया है और इस पर 5 फीसदी टैक्स लगता है. वहीं पॉपकॉर्न को अगर पहले से पैक और लेबल किया हुआ होता है, तो यह दर 12 फीसदी होती है. जीएसटी एफएक्यू में बताया गया है कि भारत नमकीन को पहले से पैक और लेबल किए गए फॉर्म के अलावा अन्य रूप में बेचने पर 5 परसेंट जीएसटी लगता है और प्री-पैकेज और लेबल वाले फॉर्म में बेचने पर 12 प्रतिशत जीएसटी लगता है। कुछ स्पेशल वस्तुओं को छोड़कर सभी चीनी कन्फेक्शनरी पर 18 परसेंट जीएसटी लगता है और इस लिहाज से कैरेमलाइज्ड पॉपकॉर्न पर 18 फीसदी की दर से जीएसटी लागू होगा। खुद देश की वित्त मंत्री को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस बात को स्पष्ट करना पड़ा।

लेकिन एक बात साफ है, पॉपकॉर्न पर पांच प्रतिशत से लेकर 18 प्रतिशत तक जीएसटी लग रही है। जबकि पॉपकॉर्न उस मक्का का उत्पाद है, जिसे आजकल मिलेट्स की श्रेणी में शुमार किया गया है और सरकार दुनिया भर में मिलेट्स का प्रचार भी कर रही है। लेकिन यहां जो बच्चे पॉपकॉर्न खाते हैं, युवा मक्के के जो दूसरे उत्पाद खाते हैं, उन पर लगे टैक्स उसे लगातार महंगा ही कर रहे हैं। यह बाजार का सच है। सरकार में बैठे लोगों को महंगाई इसलिए भी नहीं लगती, क्योंकि वे तो हर बार महंगाई भत्ते के रूप में अपना वेतन बढ़वा लेते हैं। और उन्हें वेतन के अलावा भी बहुत कुछ मिल जाता है। जिनके पास उतना वेतन, कमाई या संसाधन नहीं हैं, महंगाई या टैक्स उन्हीं के लिए तो भारी लगते हैं।

जीएसटी की बात करें तो पिछले दशक के सबसे कठिन सुधारों में से एक राष्ट्रीय जीएसटी था, जिसे 2017 में लागू किया गया। इसने विभिन्न केंद्रीय और राज्यों के अप्रत्यक्ष करों की जगह ले ली। संसद के दोनों सदनों के अलावा हर राज्य की विधानसभा को भी जीएसटी विधेयक पारित करना था। इसके कारण लाखों व्यवसायों की पूरी टैक्स प्रणाली को बदलना पड़ा। ऑनलाइन सिस्टम बनाना पड़ा। केंद्र और राज्यों के बीच राजस्व का विभाजन तय करना पड़ा। इसके लिए जनता का विश्वास जीतना भी जरूरी था। भारत जैसे देश के लिए यह एक धीमा और कठिन सुधार था।

भाजपा इसे अपनी बड़ी उपलब्धि जरूर मानती है, लेकिन जनता तो हलाकान ही है। यही वजह है कि पिछले हफ्ते इंटरनेट पर कैरेमलाइज्ड-पॉपकॉर्न पर जीएसटी को लेकर मीम्स की धूम मची हुई थी। पता चला कि सादे या नमकीन पॉपकॉर्न पर 5 प्रतिशत जीएसटी लगता है, लेकिन कैरेमलाइज्ड पर 18 प्रतिशत। एक रेस्तरां-चेन के मालिक अनुसार बन पर कम टैक्स लगता है, क्रीम पर कम टैक्स लगता है, लेकिन अगर क्रीम को बन पर लगाया जाए, तो दोनों पर ज्यादा टैक्स लगता है। इसका नतीजा यह रहा कि उनके ग्राहक क्रीम और बन अलग-अलग मांगने लगे। यह बात मजाक में कही गई थी, लेकिन यह एक सच्चाई को भी दर्शाती है। यह कि चीजों को सरल बनाने के मकसद से किया गया जीएसटी समय के साथ और जटिल होता जा रहा है।

विशेषज्ञ मानते हैं कि इस समस्या का मूल कारण नीति-निर्माताओं की मानसिकता है। वे हर चीज को नियंत्रित करने की अपनी इच्छा को नहीं छोड़ सकते, टैक्स में भी अपनी नैतिकता थोप सकते हैं, अतिरिक्त कर-राजस्व की हर बूंद निचोड़ने के लिए चतुर नीतियां बना सकते हैं और जीएसटी के पीछे के इस व्यापक उद्देश्य को देख नहीं पाते कि उसे चीजों को सरल बनाने के लिए लाया गया था। अनेक टैक्स स्लैब, उपकरों और नीति-निर्माताओं के हाथों में अनियंत्रित शक्तियों वाला जटिल जीएसटी, जीएसटी सुधार न होने के बराबर है। सीधे शब्दों में यह बोझ बन गया है।

जीएसटी की शुरुआत के समय इसमें चार स्लैब थे - 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत और 28 प्रतिशत। कुछ वस्तुओं को जीएसटी से छूट दी गई थी, जिससे उन पर 0 प्रतिशत स्लैब जुड़ गया। ईंधन जैसी कुछ वस्तुओं को जीएसटी से बाहर रखा गया, जिन पर कर की दरें और अधिक थीं। इससे अतिरिक्त स्लैब बन गया। इस प्रकार, छह अलग-अलग जीएसटी दरों के साथ शुरुआत की। समय के साथ, कुछ उत्पादों (जैसे लग्जरी कारों) पर कई तरह के उपकर जोड़े गए, जिसका अर्थ है कि इन छह स्लैबों में और भी हेरफेर करके नीति-निर्माता अपनी इच्छानुसार जीएसटी दर तय कर सकते हैं।

कई स्लैब के साथ शुरुआत करने के पीछे जटिल व्यवस्था में सुधार का विचार था। लेकिन जैसे-जैसे हम 2025 के करीब पहुंच रहे हैं, हमें जीएसटी को और सरल बनाना चाहिए। लेकिन अभी तो हम मीठे बनाम नमकीन और उनकी कर-दरों पर बहस में ही उलझे हैं। वैसे, नमकीन स्नैक्स भी पाचन के दौरान शरीर द्वारा शुगर के रूप में ही टूटता है। सवाल तो उठेगा ही- क्या जीएसटी को स्नैक्स को हजम करने के बाद वाली शुगर पर भी टैक्स लगाना चाहिए?

जूते से लेकर झाड़ू तक कई वस्तुएं ऐसी हैं कि उनमें अलग-अलग तरह के टैक्स लग जाते हैं। कुछ यदि शून्य या पांच प्रतिशत वाली हैं तो कुछ पर 18 या 28 प्रतिशत भी लग जाता है, जैसे वैक्यूम क्लीनर।

इनमें से कई नीतियां उदारीकरण से पहले की इस मानसिकता से उपजी हैं कि जो चीज अच्छी, मजेदार, आरामदायक हो, उस पर टैक्स लगा दो। और अगर कोई चीज उच्च गुणवत्ता वाली है या सम्पन्न लोगों द्वारा उपयोग की जाती है तो उस पर और अधिक टैक्स लगाया जाना चाहिए। जबकि जीएसटी पहले ही एक परसेंटेज-बेस्ट टैक्स है, जो सुनिश्चित करता है कि ऊंची कीमतों वाले आइटम्स अधिक कर-भुगतान करेंगे। यदि हम बजट जीएसटी पर सुधार की बात कर रहे हैं तो नीति निर्माताओं की मर्जी के बजाय आम आदमी की जरूरत और बदलती जरूरतों को ही ध्यान में रखना होगा। तभी हम इसका औचित्य सिद्ध कर पाएंगे।

स्मृति शेषः अटल जी... एक युग प्रवर्तक नेता

कैलाश विजयवर्गीय

हार नहीं मानूंगा,
रार नई ठानूंगा,
काल के कपाल पे
लिखता मिटाता हूं,
गीत नया गाता हूं

श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की यह अद्वितीय पंक्तियां आज भी मेरे हृदय को जोश, उत्साह और ऊर्जा से भर देती हैं। ये हम सबके दिलों में उनके व्यक्तित्व की गहरी छाप छोड़ जाती हैं। वे अटल जी ही थे, जिन्होंने देश के हर नागरिक को साहस, विश्वास और आत्मनिर्भरता का मार्ग दिखाया। भारतीय राजनीति में उनका नाम स्वर्णाक्षरों में दर्ज है। उनके योगदान ने हमारे देश की राजनीति को आकार दिया। भारतीय समाज, संस्कृति और अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में नई दिशा भी दी। आज 25 दिसंबर 2024 को हम उन्हें उनकी 100वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। यह अवसर उनके जीवन, उनके दृष्टिकोण और उनके कार्यों को स्मरण करने का है। उनके आदर्शों को जीवन में उतारने का है। इस पुण्य अवसर पर मेरा हृदय गर्व से भरा हुआ है, जो मुझे अनेकों बार अटल जी का सामीप्य, सान्निध्य और मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। सदैव उनके आशीष की छांव मेरे सिर पर रही। उन्हीं से सुशासन का पाठ सीखा। वे अजातशत्रु, सर्व सम्मानीय, अथक परिश्रमी, परम देशभक्त, प्रबुद्ध कवि, दूरदृष्टा और पथ प्रदर्शक थे।

जब भी अटल जी की बात होती है, उनका व्यक्तित्व मेरी आंखों के सामने जीवंत हो उठता है। उनका हर शब्द आत्मविश्वास से ओत-प्रोत होता था। उनकी बातें हमेशा गहरी सोच और संवेदनशीलता से भरी होती थीं। जब वे बोलते थे तो उनके शब्द मेरे हृदय में गहरे उतरते जाते। उनका दृष्टिकोण सदैव व्यापक रहा, हर वर्ग को समाहित करता हुआ। वे सिखाते थे कि हम समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलें। आज, जब मैं उनके चरणों में श्रद्धासुमन अर्पित कर रहा हूं तो ऐसा प्रतीत हो रहा है, जैसे वे मेरे सामने खड़े हों, मुझे जीवन की राह दिखा रहे हों। उनका आशीर्वाद मेरे साथ हमेशा रहा है।

अटल जी का देश के प्रति समर्पण

अटल जी का देश के प्रति समर्पण अद्वितीय रहा। उनके नेतृत्व में भारत ने कई ऐतिहासिक बदलाव देखे, जो आज भी हमें प्रेरित करते हैं। अटल जी का मानना था कि राजनीति जनसेवा का एक साधन है। उनका आदर्श जीवन हमें यही सिखाता है कि जब देश की सेवा और नागरिकों की भलाई ही प्राथमिक उद्देश्य हो तो हर निर्णय सही दिशा में होता है। अटल जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद भारत ने कई साहसिक कदम उठाए, जिनमें से पोखरण परमाणु परीक्षण ऐतिहासिक साबित हुआ। यह कदम दुनिया के लिए संदेश था कि भारत अपनी सुरक्षा के लिए स्वतंत्र है और हमें किसी से अनुमति लेने की आवश्यकता नहीं है।

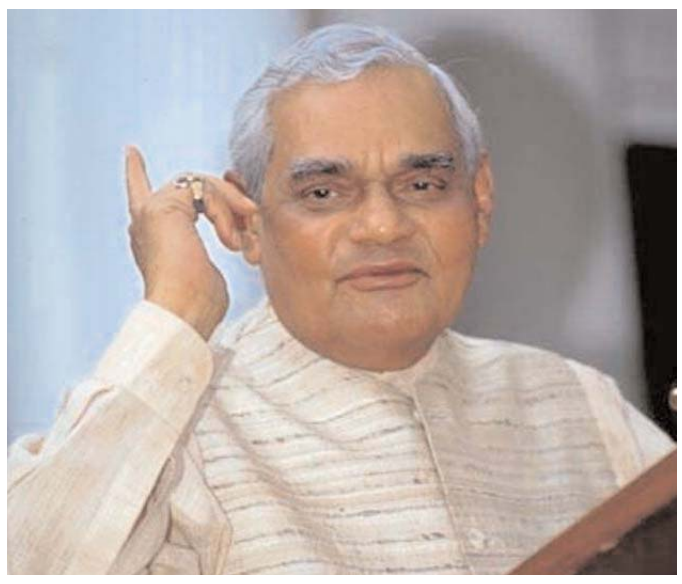

नदी जोड़ो परियोजना जलवायु संकट का समाधान

अटल जी का दृष्टिकोण केवल राजनीति तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने पर्यावरण और कृषि के मामलों में भी महत्वपूर्ण कदम उठाए। उनकी नदी जोड़ो परियोजना महत्वाकांक्षी पहल थी, जिसका उद्देश्य देश के जल संकट को कम करना था। आज हम यह देख रहे हैं कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने इस परियोजना को साकार करते हुए केन-बेतवा लिंक परियोजना की सौगात दी है। मध्यप्रदेश के लिए यह एक महान गौरव का क्षण है, क्योंकि अटल जी के इस सपने से हजारों गांव हरे-भरे होंगे। लाखों लोगों को शुद्ध पेयजल मिलेगा। यह अटल जी के सपनों को धरातल पर उतारने का महान कदम है। इस अभूतपूर्व सौगात के लिए मैं प्रधानमंत्री जी का अभिनंदन करता हूं ।

देश सेवा के प्रति दृढ़ नायकत्व

अटल जी का जीवन सच्ची देश सेवा का प्रतीक रहा। उन्होंने राजनीति में रहते हुए हमेशा अपने सिद्धांतों और विचारधाराओं को प्राथमिकता दी। उनका मानना था कि जब तक देश के प्रत्येक नागरिक की भलाई नहीं होगी, तब तक राष्ट्र निर्माण अधूरा है। उन्होंने समाज के हाशिए पर खड़े लोगों के लिए आवाज उठाई और समग्र विकास के लिए नीतियां बनाईं। उनके नेतृत्व में भारत ने सड़क निर्माण, शहरीकरण और डिजिटल इंडिया जैसी पहल शुरू की, जिनका आज हम सब व्यापक सकारात्मक असर देख रहे हैं।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना बनी वरदान

अटल जी का दृढ़ विश्वास था कि यदि गांवों को शहरों से जोड़ दिया जाए तो ग्रामीण जीवन में नई संभावनाओं का संचार होगा। विकास की राह में नए द्वार खुलेंगे। इस विचार को साकार करने हेतु उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की नींव रखी। उनके इस दूरदर्शी कदम का पूरे देश पर सकारात्मक असर हुआ। इस योजना के माध्यम से ग्रामीण भारत में अभूतपूर्व परिवर्तन आए। सड़कों के निर्माण ने गांवों तक विकास की किरणें पहुंचाईं। व्यापार, कृषि, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंचने की आसान राह ने ग्रामीणों के जीवन में नवचेतना का संचार किया। अटल जी की यह पहल आज भी ग्रामीण जीवन में सुधार का प्रतीक बनी हुई है।

सादगी की प्रतिमूर्ति थे अटल जी

अटल जी का जीवन ईमानदारी और सादगी में बेमिसाल रहा। उनका सिद्धांत था कि जनप्रतिनिधियों को सदैव जनता के बीच रहना चाहिए और उनके लिए काम करना चाहिए। इस सिद्धांत को उन्होंने अपने व्यक्तिगत जीवन में भी साकार किया। वे आजीवन किसी भी प्रकार की भव्यता से दूर रहे। मैंने उनके साथ रहकर देखा कि वे स्वयं को जनता से अलग नहीं मानते थे। जब भी वे कहीं सभा अथवा कार्यक्रम में जाते तो पार्टी कार्यकर्ता उन्हें चंदा देने आते, पर अटल जी उस चंदे को अपनी व्यक्तिगत संपत्ति बनाने के बजाय पार्टी कार्यालय में जमा कर देते थे। यह कदम उनकी सादगी का मिसाल था।

राजनीति के पुरोधा को शत-शत नमन

अटल जी भारतीय संस्कृति और धरोहर के प्रति अत्यधिक सम्मान रखते थे। उनका यह दृढ़ विश्वास था कि भारत तभी शक्तिशाली बन सकता है जब वह अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ा रहेगा। उनके विदेश दौरों में यह स्पष्ट रूप से देखा गया, जहां उन्होंने भारतीय सभ्यता और संस्कृति को गर्व से प्रस्तुत किया। वे युग प्रवर्तक नेता थे, जिन्होंने अपनी जिंदगी देश की सेवा में समर्पित कर दी। अटल जी का समावेशी, साधारण और ईमानदार व्यक्तित्व हम सबके लिए आदर्श है। उनका नेतृत्व सदैव यही सिखाता रहेगा कि सेवा का असली अर्थ जनता के साथ रहकर, उनके लिए समर्पित होकर काम करना है। उनकी 100वीं जयंती पर, मैं उन्हें सादर नमन।

अटल जी, आप बहुत याद आते हैं आपकी छांव और मार्गदर्शन हमेशा हमारे साथ रहेगा।

(कैलाश विजयवर्गीय मध्य प्रदेश शासन में नगरीय विकास एवं आवास तथा संसदीय कार्य मंत्री हैं)

ट्रम्प द्वारा अमेरिकी नियंत्रण की इच्छा दोहराए जाने के बाद डेनमार्क ने ग्रीनलैंड की रक्षा को बढ़ावा दिया

सुनील डंग
पूर्व सदस्य, भारतीय प्रेस परिषद

ग्रीनलैंड ने एक बार फिर कहा है कि यह बिक्री के लिए नहीं है, जबकि अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि वह इस क्षेत्र पर नियंत्रण करना चाहते हैं। ग्रीनलैंड ग्रीनलैंड के लोगों का है, प्रधानमंत्री ने कहा। यह बात ट्रम्प द्वारा आर्कटिक द्वीप के बारे में उन टिप्पणियों को दोहराने के एक दिन बाद कही गई, जो उन्होंने कई वर्ष पहले की थीं।

ग्रीनलैंड, जो एक स्वायत्त डेनिश क्षेत्र है, एक बड़े अमेरिकी अंतरिक्ष केंद्र का घर है और उत्तरी अमेरिका से यूरोप के सबसे छोटे मार्ग पर स्थित है, जिसका अर्थ है कि यह अमेरिका के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है।

डेनमार्क सरकार ने ग्रीनलैंड के लिए रक्षा खर्च में भारी वृद्धि की घोषणा की है। यह घोषणा अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा आर्कटिक क्षेत्र को खरीदने की इच्छा दोहराए जाने के कुछ ही घंटों बाद की गई है। डेनमार्क के रक्षा मंत्री ट्रॉल्स लुंड पॉल्सन ने कहा कि यह पैकेज क्रोन में दो अंकों वाली एक अरब राशि है, या कम से कम 1.5 अरब डॉलर (1.2 अरब) है।

उन्होंने घोषणा के समय को भाग्य की विडंबना बताया। हाल ही में ट्रंप ने कहा कि इस विशाल द्वीप का स्वामित्व और नियंत्रण अमेरिका के लिए परम आवश्यक है। ग्रीनलैंड, एक स्वायत्त डेनिश क्षेत्र है, जो एक बड़ी अमेरिकी अंतरिक्ष सुविधा का घर है और अमेरिका के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है, जो उत्तरी अमेरिका से यूरोप के सबसे छोटे मार्ग पर स्थित है। इसमें प्रमुख खनिज भंडार हैं।

पॉल्सन ने कहा कि इस पैकेज से दो नए निरीक्षण जहाज, दो नए लंबी दूरी के ड्रोन और दो अतिरिक्त डॉग स्लेज टीमों की खरीद की अनुमति मिलेगी। इसमें राजधानी नुउक में आर्कटिक कमांड में स्टाफ की संख्या बढ़ाने के लिए वित्त पोषण तथा ग्रीनलैंड के तीन मुख्य नागरिक हवाई अड्डों में से एक को एफ-35 सुपरसोनिक लड़ाकू विमानों के संचालन के लिए उन्नत बनाना भी शामिल होगा। उन्होंने कहा, हमने कई वर्षों से आर्कटिक में पर्याप्त निवेश नहीं किया है, अब हम अधिक मजबूत उपस्थिति की योजना बना रहे हैं।

यह घोषणा ट्रम्प द्वारा अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर दिए गए बयान के एक दिन बाद की गई पूरे विश्व में राष्ट्रीय सुरक्षा और स्वतंत्रता के उद्देश्य से, संयुक्त राज्य अमेरिका को लगता है कि ग्रीनलैंड का स्वामित्व और नियंत्रण

अत्यंत आवश्यक है। ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री म्यूट एगेडे ने ट्रम्प की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, हम बिकाऊ नहीं हैं(लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि ग्रीनलैंडवासियों को सहयोग और व्यापार के लिए खुला रुख अपनाना चाहिए, विशेष रूप से अपने पड़ोसियों के साथ।

विश्लेषकों का कहना है कि इस योजना पर लंबे समय से चर्चा चल रही है और इसे ट्रम्प की टिप्पणियों के प्रत्यक्ष जवाब के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उनका कहना है कि अब तक डेनमार्क ग्रीनलैंड में अपनी सैन्य क्षमता का विस्तार करने में बहुत धीमा रहा है, लेकिन यदि देश चीन और रूस के अतिक्रमण से अपने आसपास के जलक्षेत्र की रक्षा करने में सक्षम नहीं है, तो अमेरिका द्वारा अधिक नियंत्रण की मांग बढ़ने की संभावना है।

डेनिश रक्षा अकादमी के सेना मेजर स्टीन केरगार्ड का सुझाव है कि संभवतः ट्रम्प का इरादा डेनमार्क पर ऐसा कदम उठाने के लिए दबाव डालना था। उन्होंने बताया, संभवतः यह ट्रम्प द्वारा ग्रीनलैंड के आसपास हवाई और समुद्री नियंत्रण की आवश्यकता पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित करने तथा ग्रीनलैंड में आंतरिक विकास के कारण हुआ है, जहां कुछ लोग अमेरिका की ओर देखने की इच्छा व्यक्त कर रहे हैं - नुउक में एक नए अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का अभी-अभी उद्घाटन किया गया है।

उन्होंने ग्रीनलैंड की कोपेनहेगन से मिलने वाली सब्सिडी पर भारी निर्भरता का जिक्र करते हुए कहा , मुझे लगता है कि ट्रम्प चतुर हैं... उन्होंने डेनमार्क को अपनी आर्कटिक सैन्य क्षमताओं को प्राथमिकता देने के लिए आवाज उठाई है, वह भी एक बहुत ही गैर-अमेरिकी कल्याण प्रणाली को अपने नियंत्रण में लिए बिना।

2019 में ट्रम्प ने मूल रूप से सुझाव दिया था कि अमेरिका ग्रीनलैंड, जो कि दुनिया का सबसे बड़ा द्वीप है, का अधिग्रहण कर ले, जिसके कारण वहां के नेताओं ने इसी प्रकार तीखी आलोचना की थी। उस समय डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन ने इस विचार को बेतुका बताया था, जिसके कारण ट्रम्प को डेनमार्क की राजकीय यात्रा रद्द करनी पड़ी थी ।

ग्रीनलैंड खरीदने का सुझाव देने वाले वे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति नहीं हैं। यह विचार सबसे पहले 1860 के दशक में एंड्रयू जॉनसन के राष्ट्रपतित्व काल में सामने आया था।

कहाँ है देश की समावेशी संस्कृति ?

राकेश दुबे

यूँ तो सर्वोच्च अदालत ने सभी तरह की खुदाई, जांच और पुरातात्विक दावों पर रोक लगा रखी है, क्योंकि वह 'उपासना स्थल कानून, 1991' संबंधी याचिकाओं पर विचार कर रही है। दूसरी ओर सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा है कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के बाद अब हमें हर मस्जिद के नीचे शिवलिंग खोजने से बाज आना चाहिए।

अब उप्र के संभल या राजस्थान के अजमेर में जो हिंदूवादी, मंदिरवादी दावे किए जा रहे हैं, उनसे स्पष्ट है कि वह तबका न तो शीर्ष अदालत की परवाह कर रहा है और न ही सरसंघचालक की नसीहत सुनने, मानने को तैयार है। बल्कि साधु-संतों का एक वर्ग सरसंघचालक के कथन का विरोध करने लगा है। रामभद्राचार्य सरीखे संत की टिप्पणी है कि मोहन भागवत उप्र, अजमेर या सनातन धर्म के प्रशासक नहीं हैं। दक्षिणपंथी खेमा ही संघ प्रमुख का विरोध कर रहा है, यह अत्यंत आश्चर्यजनक है।

संभल (उप्र) में अब भी खुदाई जारी है। वहां 1978 के सांप्रदायिक दंगों की आड़ लेकर खुदाई की जा रही है। उन दंगों में 184 लोगों को जिंदा जला दिया गया था। अधिकांश लोग हिंदू थे। उन दंगों के बाद हिंदुओं ने व्यापक स्तर पर पलायन किया था, लिहाजा आजादी के वक्त हिंदुओं की जो आबादी 45 प्रतिशत थी, अब वे घट कर मात्र 20 प्रतिशत रह गए हैं। मुस्लिम आबादी 55 प्रतिशत से बढ़ कर 80 प्रतिशत हो गई है। कुछ दिन पहले 46 साल के बाद एक मंदिर खुला था, जहां अब पूजा-सेवा की जा रही हैं। यदि 1978 का दौर याद किया जाए, तो केंद्र में जनता पार्टी की सरकार थी। मोरार जी देसाई देश के प्रधानमंत्री थे। पश्चिमी उप्र के एकछत्र नेता चौधरी चरण सिंह गृहमंत्री थे। जनता पार्टी में ही विलीन 'जनसंघ' के तत्कालीन शीर्षस्थ नेता अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी भी जनता पार्टी सरकार में मंत्री थे। उप्र के तत्कालीन मुख्यमंत्री रामनरेश यादव भी जनता पार्टी के थे। बाद में वह भाजपा में शामिल हो गए। सवाल यह है कि 1978 के दंगों की जवाबदेही इन नेताओं की थी अथवा नहीं? इतने पुराने दंगों का संदर्भ अब क्यों उठाया जा रहा है? क्या प्रासंगिकता है? एक पुराना नक्शा जांच के दौरान सामने आया है, जिसके मुताबिक 68 हिंदू तीर्थों और 19 कूपों (कुओं) की खोज की जानी है।

अब यह नक्शा संभल जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया के पास है, जिस नक्शे को 'शंभल महात्म्य' कहा जाता है। क्या इन तीर्थों के लिए भी खुदाई और जांच कराई जाएगी? बीते दिनों एक कूप से हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियां मिली थीं। कुछ खंडित प्रतिमाएं भी मिली थीं। अब संभल में एक प्राचीन बावड़ी सामने आई है। इस समय यह 210 वर्गमीटर में बनी है। बावड़ी को राजा सहसपुर के राजघराने के कुंवर जगदीश सिंह के नाना ने बनवाया था। इसमें कोई सुरंग नहीं है, बल्कि बावड़ी गोलाई में बनी है। बावड़ी में तीन मंजिलें पाई गई हैं। बावड़ी भी खुदाई में सामने आई है। खुदाई करते-करते एक नए भारत, नए उप्र की खोज जारी है। उससे हिंदूवादी सोच प्रगाढ़ होती है, बल्कि उन्माद, सांप्रदायिक विभाजन की संभावनाएं घनीभूत होती हैं। भागवत का मानना है कि प्राचीन विचारधारा और समावेशी संस्कृति के कारण भारत एक राष्ट्र बना। एकता का अर्थ इसकी विविधता को नष्ट करना या एकरूपता कायम करना नहीं है। अब हमें शत्रुता पैदा करने वाले या पुराने संदेहों को जगाने वाले मसलों से परहेज करना चाहिए। यह दुनिया को दिखाएगा कि हम सब शांतिपूर्वक एकसाथ रह सकते हैं। अब सवाल यह है कि क्या भाजपा नेतृत्व और खासकर उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इन खुदाइयों के जरिए 2027 के चुनाव की जमीन तैयार कर रहे हैं? खुदाइयां प्रशासनिक अधिकारियों के संरक्षण में की जा रही हैं। क्या भाजपा अब सरसंघचालक मोहन भागवत के विचार का भी विरोध कर सकती है? क्या आने वाली पीढ़ियां सिंधु घाटी की सभ्यता के स्थान पर 'संभल खुदाई सभ्यता' का अध्ययन करेंगी?

प्री - बोर्ड और ग्रेजुएशन में पहली बार में फेल लेकिन यूपीएससी 2 बार क्लियर की

सुरेश तिवारी

बच्चा आगे किस ऊंचाई पर पहुंचेगा, इसका पता उसके स्कूल और कॉलेज की पढाई और रिजल्ट से पता चल जाता है। परिवार वाले भी इससे अंदाजा लगा लेते हैं कि उससे कितनी उम्मीद की जाए। लेकिन, कई बार ये अनुमान गलत साबित हो जाता है जैसे अनुराग कुमार के मामले में हुआ। उनकी पढाई में बिलकुल रूचि नहीं थी। स्कूल से कॉलेज तक की पढ़ाई में वे जी चुराते रहे।

कॉलेज के पढाई के दौरान तो वे कई विषयों में पास भी नहीं हो पाए। लेकिन, जब उन्होंने यूपीएससी देने का फैसला किया तो जो किया वो चमत्कार ही कहा जाएगा। बिहार के कटिहार जिले के रहने वाले अनुराग कुमार की कहानी वास्तव में प्रेरणा देने वाली है। अनुराग की सफलता की कहानी असाधारण है। उन्होंने ड्रग्स अधिकारी बनने के लक्ष्य को पाने के लिए अपनी असफलताओं को अपनी महत्वाकांक्षा के आगे झुठला दिया।

उनकी 8वीं तक की पढ़ाई-लिखाई हिंदी मीडियम से हुई। इसके बाद उनका एडमिशन अंग्रेजी मीडियम वाले स्कूल में करा दिया गया। वे पढ़ाई में ठीक-ठाक रहे। अनुराग को मीडियम चेंज करना जमा नहीं और प्रीबोर्ड एग्जाम में फेल हो गए। इसके बाद बोर्ड एग्जाम में भी कम नंबर आए। अनुराग को ऐसे माहौल में कई तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ा। लेकिन, उन्होंने मेहनत से हाईस्कूल में अच्छे नंबर हासिल किए। उन्हें इंटरमीडिएट में भी अच्छे नंबर मिले जिसकी बदौलत उन्हें दिल्ली यूनिवर्सिटी के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स में इकोनॉमिक्स से ग्रेजुएशन के लिए दाखिला लिया।

घर से दूर दिल्ली में अनुराग का मन बिल्कुल नहीं लगा। वे ग्रेजुएशन में कई विषयों में फेल हो गए। घर वालों ने उन्हें समझाया और फिर उनका मन भी लग गया। इसके बाद तो ग्रेजुएशन के बाद पोस्ट ग्रेजुएशन भी किया। उन्होंने यूपीएससी क्लियर करके आईएएस बनने का फैसला किया। इसके बाद वे अपना लक्ष्य पाने में जुट गए। यूपीएससी के लिए वे जीरो से तैयारी करने लगे। अनुराग ने यूपीएससी की तैयारी के लिए खूब मेहनत की। नोट्स बनाए और मॉक टेस्ट दिए। यूपीएससी एग्जाम के हर पहलू को अच्छी तरह समझा।

नतीजा ये रहा कि अनुराग ने साल 2017 में पहले ही अटेम्प्ट में यूपीएससी क्लियर कर लिया। किंतु, उनकी रैंक 677 आई, जिससे कि वह संतुष्ट नहीं थे। अनुराग को आईएएस से नीचे कुछ मंजूर नहीं था। उन्होंने 2018 में फिर से यूपीएससी सिविल सर्विस एग्जाम दिया। दूसरा अटेम्प्ट भी उन्होंने न सिर्फ क्लियर किया, बल्कि अपनी रैंक में जबर्दस्त सुधार किया। यूपीएससी 2018 में वे ऑल इंडिया 48वीं रैंक हासिल कर आईएएस अधिकारी बने।

अच्छी रैंक आने से उन्हें होम कैडर बिहार मिला। फ़िलहाल वे बिहार के बेतिया जिले में असिस्टेंट डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

मप्र को मिलेंगे 20 अफ्रीकन चीते, कूनो पालपुर, गांधी सागर अभ्यारण्य में रखे जाएंगे, राजस्थान सहित 4 राज्यों में एमपी से भेजे जाएंगे 15 बाघ

भोपालन्टाइगर स्टेट और चीता स्टेट का दर्जा हासिल करने वाले मध्यप्रदेश में एक बार फिर चीतों का कुनबा बढ़ने वाला है। दक्षिण अफ्रीका से बीस चीते मध्यप्रदेश में लाए जाएंगे इन्हें कूनो पालपुर और गांधी सागर अभ्यारण्य में रखा जाएगा। इन चीतों के आने के बाद मध्यप्रदेश में 44 चीते हो जाएंगे।

सूत्रों के मुताबिक दक्षिण अफ्रीका मध्यप्रदेश को बीस चीते देने को तैयार हो गया है। भारत सरकार ने ये चीते दक्षिण अफ्रीका से मांगे थे प्रस्ताव को मंजूरी के बाद ये चीते मध्यप्रदेश के कूनो पालपुर उद्यान में रखे जाएंगे। पहली बार बीस चीते एक साथ मध्यप्रदेश आएंगे इनमें दस चीते नर और दस चीते मादा होंगे। इससे इनका कुनबा आगे भी बढ़ाने में मदद मिलेगी। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका से एक साथ बारह चीते मध्यप्रदेश में लाए गए थे और नामीबिया से भी आठ चीते मध्यप्रदेश लाए गए थे। मध्यप्रदेश में इस समय 24 चीते मौजूद है। इनके आवागमन पर नजर रखने के लिए वन विभाग ने इन सभी चीतों पर रेडियो कॉलर लगाए है इनके जरिए चीतों की हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है।

दक्षिण अफ्रीका से ये चीते अगले छह माह के भीतर मध्यप्रदेश आ जाएंगे। इन चीतों को लाने के लिए दो माह का समय लग सकता है।

इन चीतों को एक बड़े बाड़े में पहले रखा जाएगा। जब वे यहां के माहौल के अभ्यस्त हो जाएंगे तो उन्हें खुले जंगल में रेडियो कॉलर पहनाकर छोड़ा जाएगा। अफ्रीकन चीतों को रखने के लिए वन विभाग यहां अफ्रीका की तर्ज पर जंगल और अन्य परिस्थितियों को निर्मित करेगा। यहां दूसरे नेशनल पार्कों से हिरण, चीतल, सांभर सहित अन्य जानवर भी उनके आसपास रखें जाएंगे ताकि इन चीतों को शिकार के लिए परेशान न होंना पड़े। वन्य प्राणी चिकित्सकों की देखरेख में इन बीस अफ्रीकन चीतों को दो से तीन माह तक विशेष निगरानी में रखा जाएगा।

मप्र से पंद्रह बाघ चार राज्यों में भेजे जाएंगे

इधर मध्यप्रदेश के बाघ अब देश के अन्य चार राज्यों की शोभा बढ़ाएंगे। महाराष्ट, उड़ीसा को एक बाघ और दो बाघिन दी जाएंगी।राजस्थान को चार बाघिन दिए जाएंगे।, छत्तीसगढ़ को दो बाघ और छह बाघिन दिए जाएंगे। नेशनल टाइगर रिजर्व कंजर्वेशन ने मध्यप्रदेश के बाघों को अन्य राज्यों में भेजे जाने के लिए राज्य सरकार की स्वीकृति का प्रस्ताव भेजा जाएगा इसके बाद दूसरे राज्यों को बाघ देने की प्रक्रिया शुरु की जाएगी। इन बाघों को कान्हा, पेंच बांधवगढ़ से दूसरे राज्यों को भेजा जाएगा।

हरदुआमुड़र समिति प्रबंधक ने सोयाबीन खरीदी को बनाया मजाक

दमोह। विगत दिवस हरदुआमुड़र उपार्जन केन्द्र राधिका रानी पिपरिया टेकचंन्द्र में सर्वेयर का कार्य करने हेतु समिति सोयाबीन उर्फजन केन्द्र में पदस्थ समिति सर्वेयर महेन्द्र चौथे जो जिला स्तरीय निरीक्षण दल के निरीक्षण दौरान पाई गई वितीय अनिमिताएँ के परपेक्ष में सोयाबीन कार्य से पृथक किया गया था। जिसके स्थान पर तात्कालिक आदेश दिनाक 20/12/2024 को संदीप पटैल को सोयाबीन उपार्जन केन्द्र सर्वेयर कार्य करने जिला विपणन अधिकारी की अनुशंसा पर समिति हरदुआमुड़र उपार्जन केन्द्र राधिका रानी पिपरिया टेकचंन्द्र में सर्वेयर का कार्य करने हेतु समिति की ओर से अधिकृत किया गया था । जबकि एक दूसरा पत्र जो वायरल हो रहा है जिसमें हरदुआमुड़र उपार्जन केन्द्र राधिका रानी पिपरिया टेकचंद में समिति प्रबंधक के द्वारा सोयाबीन केंद्र पर सर्वेयर पद? पर अरबिन्द पटैल को सर्वेयर नियुक्त किया गया जिसमे समिति के पत्र पंजीयन क्रमांक 364 में अरबिन्द पटेल दिनाक 23-12-2024 से सुचारु रूप से कार्य करेंगे। एक स्थान पर दो सर्वेयर नियुक्त किये दोनों को हरदुआमुड़र समिति प्रबंधक के अनुमती पत्र जारी समिति के दोनों पत्र हो रहे वायरल अधिकारियों ने सोयाबीन खरीदी को बनाया मजाक।

तप बहुत बड़ा और कठिन है, लेकिन तप से भी बढ़कर सत्य है

औबेदुल्लागंज (संवाददाता) औबेदुल्लागंज वार्ड-2 महावीर कॉलोनी में चल रही 7 दिवसीय श्रीमद भागवत कथा में कथावाचक पंडित आचार्य राजेंद्र प्रसाद शास्त्री ने बताया तप बहुत बड़ा और कठिन है लेकिन तप से भी बढ़कर सत्य है जीवन में सत्य से बढ़ कर कुछ नहीं। राजा हरीश चंद्र की कथा सुनाकर उन्होंने बताया आकारण कभी झूठ नहीं बोलना चाहिए ना ही बार-बार किसी की शपथ (कसम) लेना चाहिए और कथा के अंत में भगवान श्री कृष्ण जन्मोत्सव बड़ी धूम धाम से मनाया गया । कथा सुनने बड़ी संख्या मैं भक्त लोग पहुंच रहे हैं।

भारत रत्न अटल जी को अर्पित किए श्रद्धासुमन

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)- भारत रत्न व पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्म शताब्दी पर मण्डल ओबेदुल्लागंज के विभिन्न बूथो पर कार्यकर्ताओं ने अटल जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की, इस अवसर पर श्रद्धेय अटल जी के साथ कार्य करने वाले वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का कमल पट्टिका से स्वागत किया भाजपा मंडल अध्यक्ष डॉ भूपेन्द्र नागर ने बोला कि सुशासन और जनकल्याण के प्रति अटल जी का समर्पण भावी पीढ़ियों को दिशा दिखाता रहेगा एवं हम उनके जीवन से प्रेरणा लेकर पार्टी में कार्य करते रहेंगे !इस अवसर पर रवींद्र विजयवर्गीय, नरेंद्र शर्मा,बने परमार,उमेश नागर, माधव यादव, इं लेस यादव,सहित अनेकों लोग उपस्थित रहे।

स्तुति अग्रवाल की किताब इंसानियत और मोहब्बत का शायर साहिर लुधियानवी का विमोचन

सिरोंज। जब रूस के प्रधानमंत्री ख्रुश्चेव भारत आए और ताजमहल देखने गए तो उनका कहना था कि 'मुझे ताजमहल की सफेद दीवारों में ग़रीबों का खून नज़र आता है, यह एक जैसी दिखाई देती हैं, इससे बेहतर हमारा क्रेमलिन (रूसी पार्लियामेंट) है।÷ यह बयान जब आम हुआ तो साहिर का जवाब किसी अख़बार में प्रकाशित हुआ कि, ÷साहिब, क्रेमलिन की बात करनी है तो रूस में कीजिए, यह हिंदुस्तान है और ताजमहल हिंदुस्तान की शराफत का नमूना है। क्योंकि हिंदुस्तान का हर शख्स चारों तरफ से एक जैसा दिखाई देता है।÷ ऐसी थी साहिर लुधियानवी की देश भक्ति।

विमोचन समारोह की अध्यक्षता करते हुए यह क़िस्सा तारीखी शहर अहमदाबाद में प्रोफेसर मोहीउद्दीन बॉम्बेवाला ने सिरोंज की युवा लेखिका और अनुवादक स्तुति अग्रवाल की अंग्रेज़ी से उर्दू में अनुवादित पुस्तक ÷इंसानियत और मोहब्बत का शायर साहिर लुधियानवी÷ के अवसर पर सुनाया। मावा एजुकेशन एंड वेलफेयर ट्रस्ट के बैनर तले सरदार पटेल स्मारक भवन में आयोजित कार्यक्रम में किताब के लेखक, अमेरिका के रहवासी सुरिंदर देवोल ने ऑडियो के माध्यम से उर्दू के आने वाले कल को लेकर चिंतित लोगों को यह समझाने की कोशिश की कि जिस भाषा में स्तुति अग्रवाल जैसे युवा मौजूद हों, उस भाषा को फलने फूलने से कोई नहीं रोक सकता। सैफी सिरोंजी ने स्तुति के साहित्यिक सफर पर रोशनी डाली। दैनिक इंकलाब (मुंबई) के एडिटर शाहिद लतीफ़ ने किताब पर बात करते हुए कहा कि जितना डूब कर आप इस किताब को पढ़ेंगे, उतने खूबसूरत मोती इस किताब में आपको मिलते जाएंगे।

निःशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर

मण्डला--जिला मुख्यालय मे योगीराज अस्पताल मंडला में नए वर्ष के शुभ अवसर पर जनरल ट्रीटमेंट और विशेषज्ञ चिकित्सकों के द्वारा जोकि निन्शुल्क परामर्श दिया जायेगा जो दिनांक 26/12/2024 से 5/1/2025 तक सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक रहेगा,बाकी इमरजेन्सी समय में यथावत शुल्क जारी रहेगा।इस समय में प्रसूति एवं स्त्री प्रसूति रोग ,जनरल रोग (बीपी सुगर थायराइड कमजोरी),सर्जरी और हड्डी और अन्य बीमारियों का निःशुल्क परामर्श दिया जायेगा,, साथ ही जाँच शुल्क में भी सामान्य जांच से 20त्न की छूट दिया जायेगा। भर्ती होने की स्थिति में 20त्नकी रियायत मिलेगी* स्त्री रोग, मेडिकल रोग, हड्डी रोग सर्जरी आयुर्वेद और सभी सामान्य रोगों के मरीज निशुल्क परामर्श ले सकते हैं,आवश्यकता पड़ने पर ऑपरेशन में रियायत किया जायेगा। अतः इस सुविधा का लाभ सभी जरूरत मन्द हितग्राहियों को मिल सके इसके लिए सभी समाजसेवियों और बुद्धिजीवी साथियों से निवदेन है कि आप सबके माध्यम से जरूरत मन्द को जानकारी आप सभी उचित माध्यम से पहुंचाने सहयोग करें।

वनवासी घर छोड़ने को तैयार नहीं, नहीं बन पाया बाघों का कोर एरिया

भोपाल। राजधानी में रातापानी के पास के दो गांवों को हटा कर वहां पर ग्रासलैंड बनाने की योजना पर 12 साल से काम नहीं हो पाया है क्योंकि वहां के वनवासी अपनी जमीन और घर छोड़ने को ही तैयारनहीं हुए। इससे बाघों का कोर एरिया भी नहीं बन पाया। इससे पहले वन विभाग ने बाघों का कोर एरिया बनाने के लिये रातापानी में दो गांवों का विस्थापन करने की योजना बनायी थी।

15 लाख रूपये मिलने थे

रातापानी के पास के इन गांवों को परिवारों की प्रत्येक यूनिट को विस्थापित होने पर 15 लाख रुपए देने की बात कही गयी थी। पर लोग नहीं माने। ग्राम जैतपुर सजोली में 3 प्रतिशत वन ग्रामवासियों ने भी इस शिफ्टिंग का विरोध किया। पूर्व में विस्थापित किए गए गांव दांतखोह में भी ग्रासलैंड तैयार किया गया है। गौर तलब है कि यहां विस्थापित होने वाले नीलगढ़ में 65 परिवारों में 110 सदस्य जबकि धुनवानी में 67 परिवारों में 107 सदस्य हैं जो अपनी जमीन को नहीं छोड़ना चाहते हैं।

जंगल सफारी हुई शुरू

रातापानी सेंचुरी में जंगल सफारी शुरू हो चुकी है। इसके लिए प्रबंधन जगह-जगह ग्रास लैंड तैयार कर रहा है ताकि सफारी के दौरान पर्यटकों को वन्य प्राणी आसानी से नजर आएं। ग्रास लैंड बनाने के लिए प्रबंधन ने सेंचुरी के अंदर स्थित 8 ग्राम को विस्थापित करने की योजना बनाई थी जिससे बाघों का कोर एरिया बढ़ता और उनके मूवमेंट को भी सहज किया जा सकता।

देश को एकता के सूत्र में पिरोते हैं खेल और खिलाड़ी:पट्टा

मंडला--जिले के आदिवासी बाहुल्य विकासखंड घुघरी में बिछिया विधायक नारायण सिंह पट्टा व राजा शंकर शाह कुंवर रघुनाथ शाह समिति के तत्वाधान में विगत 2 वर्षो से आयोजित की जा रही ऑल इंडिया ओपन ग्रामीण वॉलीबाल व कबड्डी प्रतियोगिता का बुधवार 25 दिसंबर को लगातार तीसरे वर्ष घुघरी मुख्यालय में भव्य शुभारम्भ किया गया।इस भव्य खेल प्रतियोगिता में देश भर से अनेकों टीमें सम्मिलित होती हैं।इस वर्ष वॉलीबाल व कबड्डी हेतु फेडरेशन की टीमें भी शामिल हो रही हैं।ऑल इंडिया ओपन वॉलीबॉल के लिए उत्तरप्रदेश के गोरखपुर,आजमगढ़,प्रयागराज की टीमों सहित दिल्ली,पंजाब,हरियाणा,महाराष्ट्र व म.प्र.की विभिन्न टीमें पहुंच चुकी हैं।इसी तरह कबड्डी हेतु बालाघाट,सिवनी,जबलपुर,सतना,मैहर,कटनी,डिंडोरी, छिंदवाड़ा सहित मंडला जिले की टीमें पहुंच चुकी हैं। मंडला जिले के विभिन्न ग्रामों से भी स्थानीय टीमें प्रतियोगिता में सम्मिलित हो रही है।इस वृहद आयोजन में फेडरेसन के कोच सहित स्थानीय कोच निर्णायक की भूमिका में रहेंगे।बुधवार को प्रतियोगिता के शुभारम्भ के दौरान सैकड़ों की संख्या में खिलाड़ी व खेल प्रेमी उपस्थित रहे।इस दौरान बिछिया विधायक श्री पट्टा ने कहा कि खेल और खिलाड़ी देश को एकता के सूत्र में पिरोने का काम करते हैं।खेलो से अनुशासन और टीम भावना के गुण विकसित होते हैं।गाँव-गाँव की प्रतिभाओं को निखारने के लिए ऐसी प्रतियोगितायें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।शुभारम्भ अवसर पर ओपन व ग्रामीण वॉलीबाल के शुरूआती मैच हुए साथ ही महिला व पुरुष कबड्डी के भी रोमांचक मैच खेले गए।28 दिसंबर तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में समिति संरक्षक बिछिया विधायक नारायण सिंह पट्टा व अध्यक्ष अशोक भलावी ने जिले के खेल प्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में सम्मिलित होने की अपील की है।

सोनासावरी ग्राम में स्वास्थ्य, शिक्षा एवं मतदान पर जागरूकता अभियान

इटारसी//उच्च शिक्षा विभाग म.प्र. शासन भोपाल के निर्देशानुसार शासकीय कन्या महाविद्यालय इटारसी की राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राओं द्वारा गोद ग्राम सोनासाँवरी में महाविद्यालय से ग्राम सोनासावरी तक रैली निकालकर स्वच्छता अभियान, जागरूकता अभियान के अंतर्गत जागरूकता, एड्स जागरूकता, स्वास्थ्य एवं शिक्षा हेतु छात्राओं ने ग्राम वासियों को जागरूक कर शासन की विभिन्न योजनाओं का प्रचार प्रसार व प्लास्टिक मुक्त की जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. आर. एस. मेहरा ने कहा कि यह हम सबकी जिम्मेदारी है की हमें खुद को और अपने आस-पास के वातावरण को साफ और स्वच्छ रखना चाहिए। इससे मन में अच्छे और सकारात्मक विचार आते हैं, जिससे बीमारियों का खतरा भी कम होता है। संयोजक डॉ. संजय आर्य ने स्वच्छता व शिक्षा पर बल दिया एवं बताया कि हमारा मुख्य उद्देश्य गांव में सभी को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना है जिससे कि ग्राम में स्वच्छता बनी रहे। छात्राओं द्वारा घर-घर जाकर वहां के रहवासियों से पारिवारिक जानकारी ली गई। श्री स्नेहांशु सिंह एवं श्री रविन्द्र चौरसिया द्वारा ग्राम वासियों को पर्यावरण एवं वृक्षारोपण से संबंधित जानकारिया दी गई तथा स्वरोजगार एवं स्त्री शिक्षा के प्रति जागरूक

किया ग्राम की सिंचाई व्यवस्था मुख्य फसलो आर्थिक स्थिति आदि की जानकारी ली गई। डॉ. नेहा सिकरवार एवं कु. प्रिया कलोसिया द्वारा छोटे बच्चों को पोषण संबंधी जानकारी दी गई उन्हे स्वस्थ एवं स्वच्छ आहार लेने की प्रेरणा दी गई। आहार में हरी सब्जियां एवं अंकुरित आाज की उपयोगिता को समझाया गया।

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच स्थापना दिवस मनाया, अब्दुल वाजिद नगर, इरफान कुरैशी तहसील संयोजक बने

सिरोंज। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच की अहम बैठक वाजिद कुरैशी के निज निवास पर मंच के नगर कार्यालय में आयोजित की गई।बैठक का आयोजन मंच के 23 वें स्थापना दिवस (24 दिसंबर) के उपलक्ष्य में किया गया था। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला वक्फ बोर्ड जिलाध्यक्ष अय्यूब कुरैशी ने की। बैठक में सिरोंज क्षेत्र के संयोजक, प्रकोष्ठों के संयोजक, सह संयोजक और वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में मुस्लिम राष्ट्रीय मंच गौ सेवा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय सह संयोजक सैयद शफाकत हुसैन कादरी का मार्ग दर्शन मिला । कादरी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (ऋस्स) प्रमुख मोहन भागवत के मंदिर-मस्जिद विवाद पर दिए गए बयान की जमकर सराहना की गई। उन्होने कहा कि भारत को मंदिर-मस्जिद विवादों में उलझने के बजाय विकास और समरसता पर ध्यान देना चाहिए।भागवत के बयान,जिसमें उन्होंने मंदिरों के नीचे मस्जिद खोजने की गतिविधियों को अनावश्यक बताया था, की प्रशंसा करते हुए उन्होने ने कहा कि यह विचार देश के 142 करोड़ लोगों के बीच भाईचारा और एकजुटता को बढ़ावा देता है। इस अवसर पर कादरी ने अपील की कि सभी लोग इन मुद्दों का राजनीतिक लाभ उठाने से बचें और समाज में शांति बनाए रखने में सहयोग करें। कार्यक्रम के विशेष अतिथि वरिष्ठ नेता मुनीर गौरी ने मुसलमानों को संबोधित करते हुए मोहन भागवत के विचारों पर खुलकर विचार करने की अपील की।उन्होने कहा कि उनके विचार किसी समुदाय के खिलाफ नहीं, बल्कि समाज को एकजुट करने और भारत को मजबूत बनाने के लिए हैं। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों पर भी सभी वक्ताऔ ने गहरी चिंता व्यक्त की। सभी ने बांग्लादेश सरकार से अपील की कि वह हिंदू,बौद्ध,और अन्य अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करे। हाफिज राजा खान ने वक्फ संपत्तियों की लूट और गबन रोकने की आवश्यकता पर जोर दिया और सुझाव दिया कि इन संपत्तियों का सही प्रबंधन सुनिश्चित कर विधवाओं,यतीमों और जरूरतमंदों की सहायता की जाए। बैठक में मंच ने कहा कि भारत की एकता और समरसता को त्योहारों की तरह मनाया जाना चाहिए। अल्पसंख्यकों से अपील की गई कि वे सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाकर राष्ट्र निर्माण में सहयोग करें। मंच ने कहा कि ÷सबका साथ, सबका विकास÷ की नीति अपनाकर भारतीय मुसलमान देश के विकास में भागीदार बन सकते हैं। बैठक का समापन मंच के आगामी कार्यक्रमों और योजनाओं की रूपरेखा तय करते हुए हुआ। मंच ने यह संकल्प लिया कि वह राष्ट्रीय और सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता फैलाने के लिए पूरे देश में सक्रिय रहेगा और भारतीय मुसलमानों को राष्ट्र निर्माण में सहभागी बनाने के लिए प्रयासरत रहेगा।

श्रीमद् भागवत कथा के चतुर्थ दिवस नंदोत्सव पर हुआ भव्य आयोजन

दमोह हिंडोरिया कथा व्यास किशोरी वैष्णवी गर्ग जी के मुखारविंद से मेंहलबार माता मंदिर बरेजा प्रांगण चौरसिया समाज द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिन सभी ने भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव उत्साह और उमंग के साथ मनाया. कथा व्यास किशोरी वैष्णवी गर्ग जी द्वारा नंद बाबा के घर पर उत्सव के माहौल का सुंदर वर्णन करने के साथ आयोजन स्थल का पूरा माहौल भी नंदोत्सव के रंग में पूरी तरह से रंग गया.

नंद के आनंद भयो, जय कन्हैयालाल के उद्घोष के साथ समूचा आयोजन परिसर गूंज उठा, नंद बाबा बने राजा

भक्तों ने भजनों की धुनों पर मगन होकर से थिरकते हुए श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का आनंद उजागर किया. बासुदेवजी के रूप में श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव का आनंद मनाते हुए भक्तों के बीच खूब मिठाई, टॉफीयां और बधाईयां बांटी गयी. कथा प्रसंग में कथा व्यास किशोरी वैष्णवी गर्ग जी ने कहा कि भगवान युगों-युगों से भक्तों के साथ अपने स्नेह रिश्ते को निभाने के लिए अवतार लेते आये हैं.कथा व्यास किशोरी जी ने कहा कि भगवान अपने भक्तों के भाव और प्रेम से बंधे है. उनसे भक्तों की दुविधा कभी देखी ही नहीं जाती. वे अपने भक्तों की कामना की पूर्ति तो करते ही है साथ ही उनके साथ अपने स्नेह बंधन निभाने खुद इस धरा पर आते हैं. आज की कथा में वामन अवतार, समुंद्र मंथन, श्री राम जन्मोत्सव और भगवान श्री कृष्ण के जन्मोत्सव का सुंदर और भाव पूर्ण वर्णन किया.

किशोरी जी ने कहा कि भगवान अपने भक्तों के साथ सदा हर पल खड़े रहते हैं. वे भक्तों के हाथों से दी प्रेम और भाव के साथ दी गई वास्तु उसी तरह ग्रहण करते हैं, जिस तरह से उन्होंने द्रौपदी का पत्र और गजेंद्र का पुष्प ग्रहण किया. भगवान ने काल रुपी मकर से भक्त गजराज की रक्षा की तो द्रौपदी के पुकार पर उसका संकट मिटाने स्वयं दौड़े चले आये.

यह सारी कथाएं ये प्रमाणित करती हैं कि भक्तों के भाव से सदा बंधे रहनेवाले भगवान भक्तों के साथ अपना स्नेह निभाने खुद आते हैं. ठाकुरजी सिर्फ यह कभी नहीं चाहते कि उसके भक्त के पास अहंकार रहे. ठाकुरजी अपने भक्त से ये भी कहते हैं कि मुझे, वो वस्तु अर्पित कर, जो मैंने तुझे कभी नहीं दी. ठाकुरजी कहते हैं- ऐसी कोई वस्तु जो मैंने तूझे नहीं दी, वह अहंकार है. यह मैंने तूझे नहीं दिया. बल्कि तूने खुद इसे अपने भीतर तैयार किया है.

किशोरी जी ने कहा भगवान को अगर पाना है तो मन में इस भाव को बसा लेना होगा कि मेरा सब कुछ मेरे ठाकुरजी है. मेरे पास अपना कुछ भी नहीं जो कुछ भी है सो मेरे ठाकुर जी का ही है. गजेंद्र मोक्ष पाठ की महिमा बताते हुए किशीरी ने कहा कि जो भी यह पाठ करता है. उस पर ठाकुरजी की कृपा सदा बनी रहती है. संकट उस पर सपने में भी नहीं आते. माता-पिता के चरण पकड़ लो, किसी और की चरण वंदना की आवश्यकता ही नहीं पड़ेगी. किशोरी जी ने कहा कि जीवन में सब कुछ जरूरी है पर एक मर्यादा के अंदर सभी हो तो तभी तक सब ठीक है.

किशोरी जी ने समुंद्र मंथन से जुड़ी कई रोचक कथाएं सुनाई. उन्होंने कहा कि अहंकार बुद्धि और ज्ञान का हरण कर लेता है. ठीक उसी प्रकार जैसे अहंकार से ग्रसित दानवों ने समुंद्र मंथन के समय बासुकी नाग के मुख को पकड़ना श्रेयस्कर समझा और भगवान के मोहिनी रूप पर मंत्र मुग्ध हो उठे.

भगवान के वामन अवतार को तीन कदम आश्रय स्थली दान में देने के बाद राजा बलि को पाताल लोक की शरण लेनी पड़ी. इसलिए कुछ भी करो, सोच समझ कर करो, जो कुछ भी तोल-मोल कर बोलो. मीठा और मधुर बोलो. आज कथा में अनेकों लोगों ने व्यासपीठ का पूजन किया और भागवत भगवान की आरती उतारी.

किशोरी जी ने बताया कि कल भगवान की बाल लीलाओं के वर्णन के साथ गिरीराज पूजन और छप्पन भोग लगेगा.

मुख्य यजमान - समस्त चौरसिया समाज एवं सभी नगर बासी हिंडोरिया ने कथा श्रवण करने की अपील की है

किर्लोस्कर ब्रदर्स लिमिटेड के वर्टिकल टर्बाइन पंप्स ने मध्य प्रदेश में जल प्रबंधन को बनाया आसान

सीहोर/शाजापुर। किर्लोस्कर ब्रदर्स लिमिटेड (केबीएल) ने आईएसपी पार्वती माइक्रो लिफ्ट सिंचाई योजना के तहत जल प्रबंधन को नई दिशा दी है। इस परियोजना के जरिए इंदिरा सागर जलाशय से सीहोर और शाजापुर जिलों के 268 गांवों तक पानी पहुँचाया जा रहा है, जिससे 1 लाख हेक्टेयर से अधिक कृषि भूमि को लाभ मिल रहा है। इस परियोजना की सफलता का केंद्र हैं केबीएल के अत्याधुनिक वर्टिकल टर्बाइन (वीटी) पंप्स, जिन्हें नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण (एनवीडीए) के पार्वती पंपिंग स्टेशन पर स्थापित किया गया है। ये पंप्स उच्च दक्षता, बिना कंपन के संचालन और पानी की न्यूनतम क्षति सुनिश्चित करते हैं, जिससे यह बड़ी सिंचाई प्रणालियों के लिए बेहद टिकाऊ और विश्वसनीय साबित हो रहे हैं।मध्य प्रदेश सरकार और केबीएल के बीच यह सहयोग किसानों को सिंचाई के लिए स्थायी और निरंतर जल आपूर्ति उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वीटी पंप्स की स्थापना ने क्षेत्र के कृषि परिदृश्य को बदल दिया है, जिससे यहां की खेती को नया जीवन मिला है।

काइनेटिक ग्रीन ने बीना में नई डीलरशिप का उद्घाटन कर मध्य प्रदेश में अपना दायरा बढ़ाया

बीना, एजेंसी। इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर और थ्री-व्हीलर बनाने वाली भारत की अग्रणी कंपनी, काइनेटिक ग्रीन एनर्जी एण्ड पावर लिमिटेड सॉल्यूशंस ने मध्यप्रदेश के सागर जिले के बीना में एक नई इ2डब्ल्यू डीलरशिप के शुभारंभ की घोषणा की है। यह भव्य शुभारंभ मध्यप्रदेश राज्य में अपनी उपस्थिति को बढ़ाने के लिये ब्रैंड की प्रतिबद्धता के लिये एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उद्घाटन समारोह में श्रीमती निर्मला सप्रे (विधायक, बीना), श्रीमती लता वानखेड़े (विधायक, सागर जिला), भूतपूर्व विधायक श्री महेश राय, श्री रामनिवास रावत (भूतपूर्व विधायक और मध्यप्रदेश सरकार में मंत्री), प्रभु सिंह ठाकुर (मध्यप्रदेश सरकार के भूतपूर्व मंत्री), बीना के आरएसएस प्रमुख पंडित मुरारी गोस्वामी, विद्याभारती इंडिया के सचिव श्री महेश अग्रवाल, श्री संतोष ठाकुर (पार्षद), श्री वी. के. अग्निहोत्री, डॉ. नमिता अग्निहोत्री और श्री कार्तिकेय अग्निहोत्री उपस्थित हुए। इनके साथ काइनेटिक ग्रीन के प्रतिनिधि नवीन बिरला, श्री विकास कुलश्रेष्ठ, श्री हिमंत देवांगन और श्री रचित गौड़ भी थे। आयोजन की शोभा प्रमुख फाइनेंसर्स, राय बनाने में आगे रहने वालों और ग्राहकों ने भी बढ़ाई। उन्होंने जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण से निपटने में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा की। बीना में काइनेटिक ग्रीन की नई डीलरशिप काफी जगह वाली है, जहाँ समर्पित भाव से सेवा दी जाती है।

काम और परिवार के बीच संतुलन से ही बनेगा स्वस्थ समाज

मुंबई, एजेंसी। आज के तेज़ी से बदलते कॉर्पोरेट और उद्यमिता के माहौल में, काम और निजी जिंदगी के बीच संतुलन बनाने की ज़रूरत पर खूब चर्चा हो रही है। हफ्ते में 70 घंटे काम करने की बहस ने लोगों का ध्यान खींचा है। इस पर एम्क्योर फार्मास्युटिकल्स की एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर और शार्क टैंक इंडिया 4 की जानी-मानी शार्क, नमिता थापर ने अपनी राय रखी है।नमिता ने इस बात पर जोर दिया कि काम का उचित समय तय करना बेहद जरूरी है, ताकि कर्मचारियों का शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बेहतर रहे और उनकी उत्पादकता लंबे समय तक बनी रहे। उन्होंने कहा, हफ्ते में 70 घंटे काम करना न केवल अस्थायी है, बल्कि यह शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक भी है। एक लीडर के तौर पर, यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम एक ऐसा वातावरण बनाएं, जहां कर्मचारी अपनी नौकरी और निजी जिंदगी के बीच संतुलन बना सकें।उन्होंने यह भी कहा कि संस्थापकों और लीडर्स के लिए अपनी मेहनत से ज्यादा पैसे कमाना स्वाभाविक हो सकता है।

कोटक ने भारतीय स्टार्टअप्स की अदम्य भावना का उत्साहपूर्वक किया सम्मान

मुंबई, एजेंसी। कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड (कोटक) ने स्टार्टअप्स को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए कोटक बिज़लैब्स एक्सेलेरेटर प्रोग्राम की शुरुआत की है। यह प्रोग्राम बैंक के सीएसआर प्रयासों का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य शुरुआती राजस्व चरण वाले स्टार्टअप्स को सशक्त बनाना और उनके बिजनेस को तेजी से आगे बढ़ाने में मदद करना है। इस पहल को भारत के शीर्ष इनक्यूबेटर्स, जैसे आईआईएमए वेंचर्स, एनएसआरसीईएल, और टी-हब के सहयोग से लॉन्च किया गया है। कोटक बिज़लैब्स मेंटरशिप, मार्केट तक पहुंच, और परामर्श सेवाओं के माध्यम से स्टार्टअप्स को उनके विकास में आने वाली चुनौतियों को पार करने में मदद करेगा। भारतीय स्टार्टअप इकोसिस्टम में जबरदस्त संभावनाएं हैं, लेकिन बाजार विस्तार, ग्राहकों को जोड़ने, साझेदारी बनाने, और फंड जुटाने जैसी कई चुनौतियां भी हैं।

किया सिरॉस का वर्ल्ड प्रीमियरः बोल्ड डिजाइन, स्मार्ट कनेक्टिविटी और एडवांस्ड सेफ्टी फीचर्स के साथ एक शानदार एसयूवी

नई दिल्ली, एजेंसी। किया इंडिया ने बहुप्रतीक्षित किया सिरॉस को लॉन्च कर दिया है, जो डिजाइन, टेक्नोलॉजी और स्पेस के मामले में नए मानक स्थापित करने वाली एक क्रांतिकारी एसयूवी है। रेइन्फोर्स्ड च1 प्लेटफॉर्म पर निर्मित, सिरॉस को शहरी ड्राइवरों और तकनीक-प्रेमी एडवेंचर पसंद लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें अत्याधुनिक प्रगति के साथ वर्सेटिलिटी का संयोजन मिलेगा। यह मॉडल सेगमेंट में पहली बार रियर स्लाइडिंग, रिक्लाइनिंग और हवादार सीटों के साथ-साथ कई अन्य बेजोड़ फीचर्स को पेश करता है। इसमें डुअल-पेन पैनोरमिक सनरूफ और 16-ऑटोनॉमस सेफ्टी फीचर्स के साथ लेवल 2 एडीएएस और 20 रोबस्ट हाई स्टैंडर्ड सेफ्टी पैकेज दिया गया है।

सुप्रीम पावर इक्विपमेंट को केरल राज्य विद्युत बोर्ड के लिए विक्रेता के रूप में अनुमोदित किया गया

चेन्नई, एजेंसी। सुप्रीम पावर इक्विपमेंट लिमिटेड (एनएसई कोड-, चेन्नई, 23 दिसंबर, 2024 - सुप्रीम पावर इक्विपमेंट लिमिटेड , (एनएसई कोड), जो पावर और डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफॉर्मर्स के प्रमुख निर्माताओं में से एक है, ने अपनी विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल किया है। कंपनी को केरल राज्य विद्युत बोर्ड को पावर और डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफॉर्मर्स की आपूर्ति के लिए आधिकारिक रूप से विक्रेता के रूप में अनुमोदित किया गया है। यह ऐतिहासिक अनुमोदन एसपीईएल को केएसईबी की निविदाओं में भाग लेने की अनुमति देता है, जिससे कंपनी केरल के विद्युत बोर्ड, स्थानीय प्रशासनिक निकायों, लाइसेंसधारी ठेकेदारों और निजी खरीदारों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले ट्रांसफॉर्मर्स के एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता के रूप में स्थापित हो सके। इस अवसर के साथ, एसपीईएल का उद्देश्य केरल में अपनी स्थिति को मजबूत करना है, जो पावर सेक्टर के प्रमुख बाजारों में से एक है।

लोरेन्जिनी ऐपरेल्स लिमिटेड का बोर्ड 1:1 बोनस शेयर जारी करने पर विचार करेगा

मुंबई, एजेंसी। लोरेन्जिनी ऐपरेल्स लिमिटेड (बीएसई- 540952, एनएसई), तैयार कपड़ों के निर्माण, डिज़ाइन और मार्केटिंग के क्षेत्र में एक प्रमुख कंपनी, ने घोषणा की है कि उसका बोर्ड शेयरधारकों की मंजूरी के लिए 1:1 के अनुपात में बोनस शेयर जारी करने पर विचार और सिफारिश करने के लिए बैठक करेगा, जो कि आरक्षित निधियों के पूंजीकरण के माध्यम से होगा। हाल ही में, कंपनी ने 5 अक्टूबर, 2023 को प्राथमिकता के आधार पर जारी किए गए 10,38,371 वॉरंट में से 1,48,340 वॉरंट को 1/- रुपये के अंकित मूल्य के 14,83,400 इक्विटी शेयरों में परिवर्तित करने की मंजूरी दी है, जिसमें नर्सरी रोड प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड से 2.25 करोड़ रुपये की मंजूरी मिली।

आईआरसीटीसी की वेबसाइट और मोबाइल ऐप में आई तकनीकी खराबी, यात्री परेशान

नई दिल्ली- भारत सरकार की रेल सेवा से जुड़ी भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम आईआरसीटीसी की वेबसाइट और मोबाइल ऐप में आज सुबह (गुरुवार) एक बड़ी तकनीकी खराबी आई, जिसके कारण यात्री ट्रेन टिकट बुकिंग करने में मुश्किल का सामना करना पड़ा। इस परेशानी के कारण लाखों यात्रियों को यात्रा की योजना बनाने में दिक्कतें आईं। इस समस्या को लेकर सोशल मीडिया पर यात्रियों का गुस्सा सामने आया। कई यूज़र्स ने ÷सिस्टम में मेंटेनेंस गतिविधि के कारण कार्यवाही नहीं की जा सकती÷ का एरर मैसेज दिखाई देने की शिकायत की। डाउनडिटेक्टर के अनुसार, इस आउटेज के कारण 2,500 से अधिक उपयोगकर्ता प्रभावित हुए, जिनमें से 28त्न शिकायतें मोबाइल ऐप से संबंधित थीं।

इस खराबी का सबसे ज्यादा असर तत्काल टिकट बुकिंग पर पड़ा, जो सुबह 10 बजे एसी क्लास और 11 बजे नॉन-एसी क्लास के लिए शुरू होती है। टिकट बुकिंग के दौरान प्लेटफॉर्म का काम न करने से यात्रियों में गुस्सा था। कई यूजर्स ने इसे ÷धोखाधड़ी÷ करार दिया, क्योंकि वेबसाइट खुलने के बाद सभी तत्काल टिकट पहले ही बुक हो चुके थे और केवल प्रीमियम टिकट दोगुने दामों पर उपलब्ध थे।

इस मामले में आईआरसीटीसी ने अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है और न ही यह स्पष्ट किया है कि समस्या का समाधान कब तक होगा। यह इस महीने का दूसरा आउटेज था, इससे पहले 9 दिसंबर को भी एक घंटे की सेवा बाधित हुई थी।

ओला इलेक्ट्रिक ने ईवी क्रांति को नई ऊंचाई पर पहुंचाया

मुंबई एजेंसी। ओला इलेक्ट्रिक जो भारत की सबसे बड़ी ईवी कंपनी के नाम से जानी जाती है उसने आज अपने नेटवर्क को 4,000 स्टोर्स तक बढ़ाने की घोषणा करी जो मौजूदा नेटवर्क से चार गुना ज्यादा है। यह दुनिया में ईवी नेटवर्क के सबसे बड़े विस्तारों में से एक माना जा रहा है, इस विस्तार से यकीनन देश में ईवी तक लोगों की पहुंच आसान हो जाएगी और ईवी के क्षेत्र में बहुत बड़ा विकास होने की संभावनाएं भी काफी हद तक बढ़ जाएंगी साथ ही ईवी के प्रति भरोसा और उसे अपनाने को मजबूती भी मिलेगी। कंपनी ने बड़े पैमाने पर ईवी अपनाने की अपनी प्रतिबद्धता के चलते 3,200 से भी ज्यादा नए स्टोर्स को लॉन्च किया है, जो सर्विस सुविधाओं के साथ जुड़े हुए हैं। ऐसा कर कंपनी ने टियर-1 और टियर-2 शहरों के अलावा छोटे छोटे कस्बों और तहसीलों तक अपनी पहुंच को बड़ी गहराई से बढ़ाया है। इस विस्तार के साथ ओला इलेक्ट्रिक ने अपने सेविंग वाला स्कूटर अभियान के तहत किए गए वादे को पूरा कर दिया है। भविष अग्रवाल ओला इलेक्ट्रिक के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर ने बताया कि हमने जो वादा किया था, उसे आज पूरा कर दिखाया है। भारत के ईवी के सफर में आज का दिन बहुत बड़ा है, क्योंकि हमने अपने नेटवर्क का विस्तार हर शहर, हर कस्बे और हर तालुका तक कर दिया है। हमारे नए स्टोर्स, जो सर्विस सेंटर्स के साथ जुड़े हैं, उन्होंने ईवी खरीदने और उसे इस्तेमाल करने के अनुभव को पूरी तरह से बदल दिया है। सेविंग वाला स्कूटर अभियान के साथ हमने नए मानक स्थापित किए हैं। जैसे-जैसे हम उन्नत हो रहे हैं, हम इन्नोवेशन की सीमाओं को नया आयाम देने और देश को एंडआइसऐज की ओर तेजी से ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

स्वामित्व योजना... पीएम मोदी 2 करोड़ से ज्यादा लोगों को देंगे संपत्ति का अधिकार

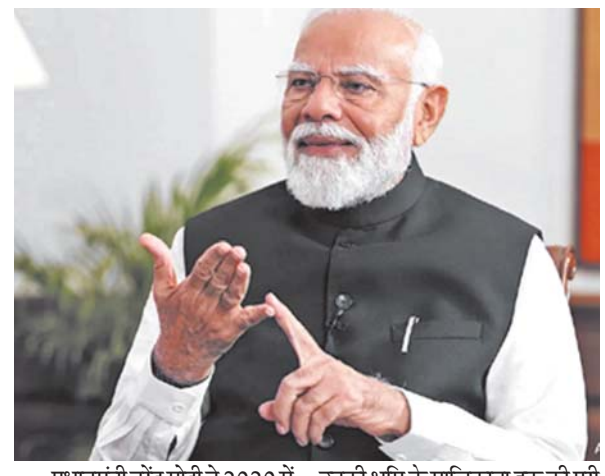

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2020 में ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक प्रगति लाने के लिए एक अभिनव पहल शुरू की थी, जिसे स्वामित्व योजना के नाम से जाना जाता है। इस योजना का उद्देश्य ड्रोन और जीआईएस (भू-स्थानिक सूचना प्रणाली) तकनीक का उपयोग करके ग्रामीण क्षेत्रों की भूमि का सर्वेक्षण करना और भूमि मालिकों को स्वामित्व प्रॉपर्टी कार्ड प्रदान करना था। इस योजना के तहत 27 दिसंबर को देशभर के 10 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों के 50,000 गांवों के 58 लाख लोगों को यह कार्ड दिए जाएंगे।

स्वामित्व योजना के तहत, अब गांवों के निवासी अपनी ज़मीन के कानूनी मालिक होंगे, जिससे भूमि विवादों में कमी आने की संभावना है और ग्राम स्तर पर योजनाओं के निर्माण में मदद मिलेगी। 27 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मिजोरम, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर और लद्दाख जैसे केंद्र शासित प्रदेशों के लोगों को ये प्रॉपर्टी कार्ड प्रदान किए जाएंगे।

स्वामित्व कार्ड- डिजिटल रूप से जमीन का मालिकाना हक: स्वामित्व योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण भूमि मालिकों को एक विशेष कार्ड प्रदान करना है, जिसमें उनकी भूमि के मालिकाना हक की पूरी जानकारी डिजिटल तरीके से स्टोर की जाती है। इससे बैंक लोन लेना आसान हो जाएगा, क्योंकि अब ग्रामीणों के पास अपनी संपत्ति के बारे में कानूनी और डिजिटल प्रमाण होगा।

बैंक लोन प्राप्त करना होगा सरल: पंचायती राज मंत्रालय के अनुसार, पहले कई राज्यों में गांवों का आवासीय मानचित्र मौजूद नहीं था, जिसके कारण बैंकों से लोन प्राप्त करने में दिक्कतें आती थीं। अब इस योजना के तहत ड्रोन सर्वेक्षण के द्वारा हर गांव की संपत्ति का एक स्पष्ट रिकॉर्ड तैयार हो चुका है, जिससे बैंक लोन लेने में भी आसानी हो रही है। इस कदम से ग्रामीणों को अपनी जमीन के कानूनी हक के बारे में प्रमाण पत्र मिलने से बैंकों से लोन लेने में भी मदद मिल रही है।

ड्रोन सर्वेक्षण में हुई बड़ी प्रगति:

स्वामित्व योजना के तहत अब तक 3.17 लाख गांवों में ड्रोन सर्वेक्षण पूरा हो चुका है, और अब तक 1.49 लाख गांवों में 2.19 करोड़ संपत्ति कार्ड तैयार किए जा चुके हैं। इस परियोजना का पहला चरण आबादी और गैर आबादी क्षेत्रों का ड्रोन सर्वेक्षण था। योजना के तहत सभी लाभार्थियों को मार्च 2026 तक अपना कार्ड मिल जाएगा, हालांकि पहले इसका लक्ष्य मार्च 2025 था।

विशाल फैब्रिक्स लिमिटेड का व्यापार विस्तार और विकास पर लक्ष्य

अहमदाबाद, एजेंसी। विशाल फैब्रिक्स लिमिटेड (बीएसई- 538598), उच्च-गुणवत्ता वाले स्ट्रेच डेनिम कपड़े का एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता, बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल के कारण वैकल्पिक मेनूफेक्चरिंग केंद्रों की ओर एक उल्लेखनीय बदलाव देख रहा है। अपनी मजबूत मेनूफेक्चरिंग क्षमताओं के लिए जाने जाने वाले भारत के कपड़ा केंद्र इस बदलाव के प्रमुख लाभार्थी के रूप में उभर सकते हैं। पुनर्संरचित सप्लाई चेन का संभावित लाभ सतत और पारदर्शी स्रोत प्रथाओं पर जोर देने वाले व्यापक रुझानों के साथ मेल खाता है। जिन क्षेत्रों में अच्छी इन्फ्रास्ट्रक्चर और मजबूत अनुपालन तंत्र हैं, उन्हें काफी फायदा हो सकता है

भोपाल के आशीष मिश्रा को मिला बैस्ट डायरेक्टर का अवार्ड

सेज विश्वविद्यालय में आयोजित इंफ्ल्यूएंसर्स अवार्ड 2024 में भोपाल के आशीष मिश्रा को बेस्ट फिल्ममेकर/डायरेक्टर का अवार्ड मिला। यह अवार्ड उन्हें उनके उत्कृष्ट कार्य और फिल्म उद्योग में उनके योगदान के लिए दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बॉलीवुड अभिनेत्री स्नेहिल मेहरा, टीवी एक्टर रफ़ी मलिक, शिवानी अग्रवाल, एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर, सेज ग्रुप और इंजिनियर संजीव अग्रवाल, ट्रस्ट्स, सेज ग्रुप शामिल हुए।

आशीष मिश्रा ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि उन्हें बचपन से ही अभिनेता बनने का सपना था। उन्होंने कई शॉर्ट फिल्मों में काम किया और बाद में इंजीनियरिंग की। उन्होंने माखनलाल विश्वविद्यालय से फिल्म प्रोडक्शन में मास्टर्स किया और वर्तमान में भोपाल के एक फिल्म प्रोडक्शन हाउस में प्रोडक्शन मैनेजर के रूप में काम कर रहे हैं।

आशीष मिश्रा ने नेटफ्लिक्स, सोनीलिव, अमेज़न प्राइम, एमएक्स प्लेयर जैसे प्लेटफॉर्म्स के साथ काम किया है और मिथुन चक्रवर्ती, तिगमांशु धूलिया, जितु भैया जैसे बड़े कलाकारों के साथ फिल्मों में काम किया है।

इस अवसर पर आशीष मिश्रा ने कहा कि यह अवार्ड उनके लिए एक बड़ा सम्मान है और उन्हें अपने कार्य को और भी बेहतर बनाने के लिए प्रेरित करेगा।

स्टैंडर्ड कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड ने गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर का आवंटन किया

मुंबई, एजेंसी। स्टैंडर्ड कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड (बीएसई- 511700), जो कि एक प्रमुख नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी है, ने घोषणा की है कि इसके बोर्ड ने निजी प्लेसमेंट के आधार पर गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) का आवंटन करते हुए 15 करोड़ रुपये जुटाने को मंजूरी दे दी है हाल ही मे कंपनी द्वारा अपनी पूंजी संरचना को मजबूत करने और विकास की पहलों का समर्थन करने के लिए 5 बिलियन के गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर के सफल निर्गमन की घोषणा की थी । कुल राशि में से 1.3 बिलियन कंपनी के ऑपरेशन को बेहतर बनाने और विस्तार करने के लिए सफलतापूर्वक जुटाए गए और रणनीतिक रूप से अलॉट किए गए हैं।

श्री सत्य साई संगठन मप्र का वार्षिक सम्मेलन 21-22 दिसंबर को श्री सत्य साई महिला कॉलेज में संपन्न

मनीष दुबे, सा .मेहरा दर्शन भोपाल।

श्री सत्य साई संगठन मप्र का वार्षिक सम्मेलन 21-22 दिसंबर को श्री सत्य साई महिला कॉलेज में संपन्न हुआ। पारिवारिक सामाजिक एकता के साथ प्रेम और सेवा का संकल्प लिया गया। जीवन को सरल अहंकार रहित और विनम्र वाणी से युक्त बनाए झंवर सत्य साई के सेवा और समर्पण पथ का अनुरूरण करे दुवे।इस अवसर पर श्री सत्यसाई संगठन नार्थ जोन (भारत)के अध्यक्ष भारत झांवर संगठन के आदेश और भूल्य को आत्मसात करते हुये जीवन को सरल अहंकार विहीन और विनम्र वाणी में संवाद की बात कही।भगवान श्री सत्य साई बाबा (पुट्टपर्थी) के वर्ष 2025 में मनाए जाने वाले जन्म शताब्दी समारोह की आयोजना, लक्ष्य और उनके क्रियान्वयन का रोड मैप भक्त समूह के विचार मंथन के बाद तैयार किया गया। इसमें पारिवारिक, सामाजिक एकता के साथ प्रेम और सेवा का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर श्री सत्य साई संगठन नॉर्थ जोन (भारत) के अध्यक्ष भारत झांवर ने संगठन के आदर्श और मूल्यों को आत्मसात करते हुए जीवन को सरल, अहंकार विहीन और विनम्र वाणी में संवाद की बात कहीं। प्रांताध्यक्ष अमित दुबे ने भगवान के दिव्य संदेशों का उद्धरण देते हुए, स्वयं के जीवन में सकारात्मक रूपांतरण की बात कही। दुबे ने संगठन के युवाओं का आव्हान करते हुए उन्हें श्री सत्य साई बाबा के दिव्य जीवन दृष्टांत को साक्षी मानकर सेवा और समर्पण के पथ के अनुसरण के लिए प्रेरित किया।

स्वामी की नारी से अपेक्षा विषय पर कामिनी सचदेवा ने कहा कि एमपी की भूमि अहिल्या बाई, रानी दुर्गावती, राजा भोज, तानसेन, विक्रमादित्य ने इस भूमि को सींचा है। बाबा ने कहा है कि तुम सब मेरे द्वारा चुने हुए लोग हो। तुमसे काम कराना होता है तो पहले तुम्हें शक्ति से भरपूर कर देता हूँ। हम पुट्पर्ती जाएं और सीखें सेवा-गंगा, शिक्षा-सरस्वती, अध्यात्म-जमना याने त्रिवेणी हैं। सेवा का मौका न छोड़ें। भारतीय मर्यादा का ध्यान रखे महिला = संगठन

की ट्रस्टी मीना पिंपलापुरे ने कहा कि सत्य साई महिला कॉलेज को आज 50 साल पूरे हो गए हैं। आप सब खूब भजन गाएं, बाबा का लिटरेचर पढ़ें। महिला हर क्षेत्र में आगे रहे बस भारतीय मर्यादा का ध्यान रखें। त्रिभुवन सचदेव ने कहा कि भगवान से कनेक्ट होने के बाद कमिटमेंट और कम्युनिकेशन बना रहने से साक्षात्कार होता है भले ही जीवन में कितने उतार चढ़ाव आएं। पुनीता उपाध्याय ने कहा कि हर बाल विकास गुरु एक स्कूल भी गोद ले। गांव में दिवाली मनाएं। हर गुरु के घर में बाल विकास का एक बेनर हो ताकि आने वाले लोग जान सकें। हम बाल विकास को आधार बनाएं। राजेश जायसवाल ने बाल संप्रेषण गृह में बच्चों को मानव मूल्य की शिक्षा देने की बात और जिले में एक विद्याज्योति स्कूल चयन की बात की नारायण दयाल तिवारी ने कहा कि एक दिन का साधना शिविर संगठन में ऊर्जा का संचार कर देता है। प्रांतीय स्तर पर वेद पाठ भी ओंकारेश्वर, महाकालेश्वर में किया जाएगा। सम्मेलन में मध्यप्रदेश के 31 साई जिलों के जिलाध्यक्ष, संगठन के आध्यात्मिक, शैक्षणिक, सेवा, युवा और आई.टी विभाग के जिला पदाधिकारी, इन्हीं विभागों के प्रांत प्रभारी, एक्टिविटी इंचार्ज नेशनल लीडरशिप प्रोग्राम के युवा तथा श्री सत्य साई ट्रस्ट के ट्रस्ट कन्वीनर श्री जम्मू भंडारी, आलोक दवे सहित अन्य ट्रस्टी ने हिस्सा लिया। इसके साथ मुकुल बोचरे, अपर्णा तिवारी, रत्ना बोचरे, न नमिता दुबे, अनीता धाकड़, रीता अवस्थी, अनीता अवस्थी, ओंकार तिवारी, पूनम भावसार, चैतन्यपुरी गोस्वामी, कपिल खंडेलवाल, सोपान अंबासेलकर, पूजा सोनी आदि शामिल थे। दो दिवसीय कार्यक्रम के समापन पर भोपाल संगठन के अध्यक्ष विकास अवस्थी ने श्री सत्य साई बाबा के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए सभी आगंतुक पदाधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। श्री सत्य साई बाबा की महामंगल आरती के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

संत रविदास जयंती के अवसर पर होगा परिचय सम्मेलन का आयोजन

छिंदवाड़ा - जिला संत रविदास समाज की वार्ड नंबर 23 गुरु रविदास धाम प्रांगण खिरकापुरा छिंदवाड़ा में सामाजिक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में संगठन के सभी पदाधिकारियों एवं उपस्थित सम्माननीय सामाजिक बंधुओं ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि आगामी दिनांक 12 फरवरी 2025 को गुरु रविदास जी जंयती का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास से किया जायेगा एवं समाज के परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जावेगा। इस अवसर पर सर्वश्री आर एल मंडराह, एसपी सेबेतिया, राजकुमार अहिरवार प्रफुल्ल, डोले, विक्रांत अहिरवार, संतोष मिनट,रामधन टांडेकर, श्याम डोले, राजेश कुमार मंडरा राजकुमार बघेल, श्याम अहिरवार हरीश बघेल राजेश डोले देवी प्रसाद झड़ाने देवी दास बरखाने राजकुमार डोले, श्रीमती रितु बघेल सोनम अहिरवार शिव प्रकाश मंडरा नीरज अहिरवार अजय बघेल कैलाश डोले ललित चौरे नरेश बघेल शिशिर चौरिया विनोद छिपने संतोष रविकर ओम प्रकाश सेवतिया सहित अन्य सामाजिक बंधु उपस्थित थे।

क्रिसमस डे पर अमरवाड़ा चर्च में हुई प्रार्थना सभा कैंडल जलाकर प्रभु यीशु मसीह को किया याद

अमरवाड़ा- 25 दिसंबर क्रिसमस डे के अवसर पर अमरवाड़ा के चर्च में प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। उपस्थित सामाजिक बंधुओ के द्वारा कैंडल जलाकर प्रभु यीशु मसीह को याद किया गया। सभी ने एक दूसरे को क्रिसमस की बधाई दी। चर्च कंपाउंड को क्रिसमस के अवसर पर सजाया गया है।

भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री पं.अटलबिहारी की मनाई गई जन्मजयंती

अमरवाड़ा। भाजपा नगर मंडल अमरवाड़ा द्वारा आज भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री पं.अटलबिहारी जी की मनाई गई जन्मजयंती जिसमें मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश शासन के पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रेमनारायण ठाकुर जी रहे। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि के द्वारा अटलबिहारी जी के छायाचित्र की पूजन कर माल्यार्पण किया गया नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष सचिन गोल्डी नेमा द्वारा पूजन कर उद्बोधन दिया गया। पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष देवेंद्र जैन पूर्व मंडल अध्यक्ष पंडित बसंत चौबे द्वारा अटल जी के जीवन चरित्र का वर्णन कर सम्बोधित किया गया।*

कार्यक्रम का संचालन मुकेश यादव ने किया एवं आभार विनोद चौरसिया जी ने व्यक्त किया इस कार्यक्रम मे मुख्य रूप से रज्जू चौरसिया जी बालकृष्ण साहू पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष नवीन जैन जी पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती नविता विनोद चौरसिया जी महेश जैन जी पूर्व जन भागीदारी अध्यक्ष सतीश संतु साहू पूर्व पार्षद देवीलाल पटेल गोविंद बघेल महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती मनीषा बरमैया जी रामगोपाल विश्वकर्मा जी सुरेश डेहरिया भुवन मालवी राजेश सोनी रविशंकर पीपले संतोष पीपले मुकेश यादव महेश यादव पप्पू को पप्पू ठाकुर सुनील पंडा यादव सचिन जैन राकेश विश्वकर्मा प्रकाश साहू समकित जैन अभिषेक जैन आशु चचड़ा युवा मोर्चा अध्यक्ष अमित नेमाजी राजेंद्र राजू सराठे अशोक कहार पूर्व पार्षद लकी पंकज चौरसिया पीयूष चौरसिया पप्पू मालवी संजय रंगा जैन होलू वर्मा अंकुश साहू जित्तू ठाकुर अंशुल जैन गुड्डा जैन सुभाष ठाकुर सुरेश साहू रितेश माहौरे। उधर अमरवाडा. ग्रामीण मंडल के लिंग पानी ग्राम पर भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई जी कि जन्म जयंती मनाई गई इस अवसर पर जिला भाजपा महामंत्री टीकाराम चंद्रवंशी , जनपद पंचायत अमरवाड़ा अध्यक्ष गणेश कंगाली ,विधायक प्रतिनिधी दीपक नेमा, मंडल अध्यक्ष विनोद चंद्रवंशी, किसान मोर्चा अध्यक्ष भगवत पटेल , अमरवाडा नगरपालिका सभापति विनोद साहू इंडिया, खिरेटी सरपंच प्रतिनिधि बंटी इंगोले, लिंग पानी सरपंच प्रतिनिधि राजाराम चंद्रवंशी , श्याम चंद्रवंशी,विलसराम वर्मा, मस्तराम चंद्रवंशी, वृजविहारी चंद्रवंशी एवं समस्त ग्राम वासी उपास्थित रहे.

मंदिर, मस्जिद, चर्च, गुरुद्वारा में तुलसी पौधा भेंट कर मनाया तुलसी पूजन दिवस

छिंदवाड़ा. श्री शक्ति ट्रस्ट एवं संस्कृत पुस्तकोंन्नति सभा द्वारा संचालित संत श्री आशारामजी आश्रम खजरी द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी तुलसी पूजन दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। श्री योग वेदांत सेवा समिति के मार्गदर्शन में जिले के हजारों स्कूलों , धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों में यह आयोजन सम्पन्न हुआ । पर्यावरण संरक्षण हेतु ऐसे अयोजन कि महत्ता पूरे विश्व में नजर आई । समिति द्वारा आम जनमानस को तुलसी पौधे के अनगिनत फायदे से अवगत कराया । मंदिर , मस्जिद , चर्च , गुरुद्वारा , जिले के उच्च अधिकारीगण ; जिसमें जिला कलेक्टर , जिला पुलिस अधीक्षक , नगर निगम कमिश्नर , एस. डी. एम. के अलावा सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को तुलसी पौधा भेंट किया। उधर गुरुकुल में अध्ययनरत देशभर के 24 राज्यों के विद्यार्थियों ने भी बड़ी श्रद्धा भाव से तुलसी पूजन महोत्सव मनाया । समिति की इस सेवा से जिले में लगभग 8 लाख लोग लाभांवित हुए। इस प्रकार की सेवा देश के 550 आश्रम और 2500 समितियो द्वारा की गई जिसमें करोड़ों करोड़ो लोग लाभांवित हुए ।पूज्य बापूजी द्वारा प्रेरित तुलसी पूजन विश्व व्यापी अभियान की पूरे विश्व में सराहना की । सोशल मीडिया पर भी दिनभर तुलसी पूजन छाया रहा। इस दैवीय कार्य में साध्वी रेखा बहन , साध्वी प्रतिमा बहन ,

समिति के अध्यक्ष मदनमोहन परसाई , खजरी आश्रम के संचालक जयराम भाई , गुरुकुल की संचालिका दर्शना खट्टर , जिला पंचायत सदस्य ललिता घोगें , जिला भाजपा के पूर्व कोषाध्यक्ष विलास घोगें , अमेरिका से लिंगा आश्रम आई वैशाली भुसारे , तेली पिछड़ा वैश्य महासभा के जिलाध्यक्ष भगवानदीन साहू, सुभाष इंगले , बबलू माहोरे , सुजीत सूर्यवंशी ,भूपेश पहाड़े ,भाजपा मंडल अध्यक्ष गगन घटकडे ,पूजा गोवर्धन बोबडे , प्राचार्य सुरेश चौधरी , प्रचार्या इवनाती ,महेश भादे ,सरपँच गणेश फरकारे ,शिक्षक कृष्ण कुमार , ओमप्रकाश डहेरिया , अश्विन पटेल , महिला समिति से श्रद्धा बहन ,कंचन बहन , विमल शेरके , छाया सूर्यवंशी , डॉ. मीरा पराड़कर , करुणेश पाल , आदि ने सेवाएं दीं ।

आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ.रश्मि को प्राकृति परीक्षण एप में उत्कृष्ट कार्य के लिये सम्मानित किया गया

छिन्दवाड़ा जिले के नाम एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। जिले की जानी-मानी आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ.रश्मि पवन नेमा ने देश का प्रकृति परीक्षण कार्यक्रम मे सम्पूर्ण छिंदवाड़ा एव जयपुर में सर्वप्रथम 1001 एप डाउनलोड करवाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया हे जिसके लिए आज अटल बिहारी बजाई जी के जन्म दिवस के उपलक्ष में लगाए जाने वाले शिविर में उन्हें माननीय संसद श्रीं विवेक बंटी साहू एव जिला अध्यक्ष श्री शीलेन्द्र सिंह जी द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। ÷देश का प्रकृति परीक्षण ÷ जैसे राष्ट्रीय कार्यक्रम में आयुर्वेद के क्षेत्र मे बड़ी उपलब्धि हासिल की है, योग प्रशिक्षक डॉ.पवन नेमा सहित जिले के आयुर्वेद जगत ने डॉ.रश्मि नेमा को इस उपलब्धि पर बधाई एवं शुभकामनायें दी हैं। डॉ.रश्मि नेमा ने अपनी इस कामयाबी का श्रेय परिवार और गुरुजनों के मार्गदर्शन को दिया है।

नया पोस्टमार्टम हाउस निर्माण कार्य प्रारंभ

अमरवाड़ा- सिविल हॉस्पिटल अमरवाड़ा में नागरिकों की माँग पर नगरपालिका अध्यक्ष प्रीति नितिन तिवारी द्वारा शव पोस्टमार्टम हेतु नये भवन का निर्माण कराया जा रहा है। जानकारी देते हुए लोक निर्माण सभापति कल्पना साहू ने बताया वर्तमान में नगर से दूर सुनसान स्थल पर पोस्टमार्टम कक्ष लगभग 40 वर्ष पुराना अत्यंत जीर्ण शीर्ण हो चुका है। बरसात एवम् सर्दी के मौसम में ग्रामीण क्षेत्र के लोगो को कई बार रात भर खुले सुनसान क्षेत्र में शव रखकर इंतज़ार करना पड़ता था ।शवों की आवारा जानवरों से सुरक्षा की समस्या भी रहती है ।वर्षों से इस समस्या से क्षेत्रवासी परेशान थे जिसे देखते हुए नगरपालिका अध्यक्ष द्वारा नये भवन का निर्माण प्रारंभ कराया गया है। नये पोस्टमार्टम हाउस में शव रखने एक अलग कक्ष होगा वही पोस्टमार्टम हेतु अलग कक्ष होगा। भवन निर्माण के बाद शवों की सुरक्षा की समस्या भी समाप्त होगी और अस्पताल परिसर में रुकने की सुविधा भी रहेगी।

क्या पॉलिथीन की थैलियां में चाय देने से कोई रोकेगा?

परासिया कहा जाता है कि पॉलिथीन की थैलियां में चाय देने से कैंसर जैसी बीमारी होती है किंतु खुलेआम जिले भर में एवं अन्य जगह भी पॉलिथीन की थैलियां में गरम चाय दी जा रही है चाय पीने वालों को जागरूक होना पड़ेगा और इसके लिए नगरी निकाय जिम्मेदार है जो पहल करके इसे बंद करवा सकता हैं जिला प्रशासन भी ओर ध्यान दें

अमरवाड़ा पहुंचे इतिहास रत्नाकर अध्यात्म बसंत महाराज, पत्रकार परिवार में आहार संपन्न हुए

अमरवाड़ा। बाल ब्रह्मचारी इतिहास रत्नाकर अध्यात्म रतन बोल बसंती महाराज अमरवाड़ा पहुंचे सामाजिक बंधुओ ने अगवानी की बुधवार को पत्रकार परिवार में आहार संपन्न हुए उपस्थित नगर वासियों को संबोधित किया समाज के परम संरक्षक देवेंद्र कुमार जैन एवं समाज अध्यक्ष अमित जैन ने जानकारी देकर बताया कि इतिहास रत्नाकर पूज्य श्री बसंत जी महाराज के प्रवास के दौरान विभिन्न कक्षाएं शिविर , संगीतमय बांचन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा

25 से 28 दिसंबर- घातिया कर्म,

29 दिसंबर से 01 जनवरी- फूलना वांचन संगीतमय, 02 से 06 जनवरी द्रवानूयोग कक्षाएं,

07 से 10 जनवरी - योगनिद्रा शिविर, 11 से 12 जनवरी - युवा संवाद/शिविर आयोजित किए जाएंगे।

इकलेहरा में मंडल अध्यक्ष का आगमन भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

परासिया विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत इकलेहरा बस स्टैंड पर नवनियुक्त पगारा मंडल अध्यक्ष मनीष सोनू यादव का स्वागत निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मंगलवार की दोपहर 2:00 बजे भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने पूरे जोश खरोश के साथ किया। स्वागत बेला के उपरांत मंडल अध्यक्ष मनीष यादव के द्वारा कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया गया एवं अपने उद्बोधन में उन्होंने जिले के सांसद विवेक बंटी साहू का आभार व्यक्त किया, भाजपा जिला अध्यक्ष शेषराव यादव का एवं जिला और प्रदेश के शीर्ष नेतृत्व का आभार माना जिन्होंने मंडल अध्यक्ष बनाकर मुझ पर विश्वास व्यक्त किया उनके इस विश्वास पर मैं खरा उतरूंगा उन्होंने अपने उद्बोधन में बताया कि आगे भी मेरे मंडल में जो भी रुके हुए विकास कार्य है और कार्यकर्ताओं की जो मांग है उन सभी मांगो को मैं पूरा करने का भरसक प्रयास करूंगा। एवं स्वागत भाषण के दौरान कई वक्ताओं ने उद्बोधन दिया व मंच का संचालन भाजपा नेता अंसार सिद्दीकी के द्वारा किया गया इस अवसर पर डॉक्टर अशोक साहू, मुकुल साहू, हेमंत चौहान, कुलदीप राजपूत, राजेश डेहरिया, पवन साहू, भोला सातपुते, राजू साहू, आकाश गुप्ता, राजेंद्र साहू, रामनयन, शेखर साहू, कैलाश साहू, अमित यादव, अबरार भाई, टेम्बुलकर सर, गबराल बाबा, शिवेश साहू, आशु डेहरिया, दीपक साहू, राजा वर्मा, मनीष डेहरिया, राजकुमार नाभिक सहित बड़ी संख्या भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सहकारी बैंक में सहकार से समृद्धि के अंतर्गत सहकारी संगोष्ठी संपन्न

छिन्दवाड़ा/25 दिसंबर 2024/ जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित छिन्दवाड़ा के मुख्यालय में आज नई दिल्ली में आयोजित केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री के कार्यक्रम में नवीन गठित बहुउद्देशीय पैक्स, डेयरी, फिशरी सहकारी समितियों के उद्घाटन, उनके ट्रेनिंग मॉड्यूल का विमोचन कार्यक्रम के समानान्तर जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित छिन्दवाड़ा सहकारी संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। जिसमें बैंक की शाखायें समितियां एवं समितियों से जुड़े प्रगतिशील कृषक सहित जिले के जिला विकास प्रबंधक (नाबार्ड), उप संचालक (पशु चिकित्सा सेवा विभाग), सहायक संचालक (मत्स्य विभाग), जिला आपूर्ति अधिकारी, प्रबंधक दुग्ध डेयरी, प्रबंधक इफको सहित सहकारिता विभाग एवं कृषि विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। इस जिला स्तरीय कार्यक्रम में बैंक के प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभय कुमार जैन ने बैंकिंग क्षेत्र में हो रहे परिवर्तन की जानकारी देते हुये सहकारी समितियों के बहुउद्देशीय रूप में परिवर्तन के अंतर्गत भावी स्वरूप का विश्लेषन करते हुये बैंक के विकासात्मक कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया गया।

माली समाज विकास परिषद छिन्दवाड़ा की बैठक सम्पन्न

छिन्दवाड़ा। जिला माली समाज विकास परिषद बरारीपुरा भवन में अध्यक्ष श्री भाऊराव जी चरपे के नेतृत्व में कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें दिनांक 05/01/25 को देश की पहली शिक्षिका श्रीमति सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा का अनावरण करने हेतु निर्णय लिया गया । इस अनावरण कार्यक्रम श्री सांसद महोदय विवेक बंटी साहू जी उक्त कार्यक्रम आने हेतु उनके द्वारा सहमति प्रदान की गयी हैं उक्त कार्यक्रम दिनांक 05/01/2025 को स्थान वार्ड नं.40 लोनिया सब्जी मंडी महात्मा फुले भवन छिन्दवाड़ा में प्रतिमा अनावरण किया जायेगा। कार्यक्रम को भव्यता प्रदान करने हेतु अनेक प्रस्ताव एवं कमेटियॉ गठित की गयी । आज की कार्यकारिणी की बैठक में अनेक प्रस्ताव पास किये गये । उक्त बैठक में भाऊराव चरपे ,हरि वाडबुदे , ज्ञानेश्वर कनेरे ,प्रभाकर भुसानकर ,सत्यम् सेमेकार , देवानंद निकाजू ,विजय घोरसे ,राजेश भगत ,महेन्द्र सातपुते ,प्रभाकर अलोने ,शिवराम आलोनकर ,गजानन चरपे ,दीपक सेमेकार ,दीपक वाडबुदे ,प्रभाकर दास ,सुरेश घोरसे, जागेश्वर राव घोरसे ,अजय चरपे ,बंटी घोरसे ,रमेश घोरसे ,जानराव चरपे ,गोविंद आलोनकर एवं उपस्थित कार्यकारिणी सदस्य एवं सामाजिक बंधु उपस्थित हुये ।

देवास प्रेस क्लब के पदाधिकारियों ने रतलाम प्रेस क्लब भवन का किया भ्रमण

रतलाम के पत्रकारों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को किया सम्मानित

रतलाम। देवास प्रेस क्लब के प्रतिनिधि मंडल ने बुधवार को रतलाम प्रेस क्लब का भ्रमण किया। इस दौरान यहां के पदाधिकारियों ने रतलाम प्रेस क्लब की गतिविधियों एंव कार्यप्रणाली के बारे में समझा।

रतलाम प्रेस क्लब भवन पर हाल ही में निर्वाचित देवास प्रेस क्लब के पदाधिकारी अध्यक्ष ललित शर्मा ,सचिव शेखर कौशल, उपाध्यक्ष खुमानसिंह बैस एवं अजय जायसवाल का स्वागत किया गया। रतलाम प्रेस क्लब के सचिव यश (बंटी)शर्मा ने प्रेस क्लब में आयोजित कार्यक्रम में देवास प्रेस क्लब के पत्रकार साथियों के साथ मां सरस्वती की पूजन के साथ आयोजन की शुरूआत हुई। प्रेस क्लब अध्यक्ष मुकेशपुरी ने कहा ये प्रदेश के एक दूसरे प्रेस क्लब के जानने की ये अच्छी शुरूआत है।इससे प्रदेश में पत्रकारों को किसी भी परेशानी होने पर समन्वय करने में भी आसानी होगी।

संस्था के सदस्यता अभियान, गतिविधियों ,निर्वाचन प्रक्रिया,उत्कृष्ट पत्रकारिता पुरूस्कार , पत्रकार कल्याण कोष के स्वरूप का विस्तार से अवगत कराया।

रतलाम प्रेस क्लब को किया देवास आंमत्रित

पूर्व प्रेस क्लब अध्यक्ष राजेश जैन ने जमींन आवंटन से लेकर भवन निर्माण के दौरान की प्रक्रिया के बारे में बताया। इस दौरान उन्हाने देवास के पुराने पत्रकारों के संस्मरण सुनाते हुए उनके द्वारा दिए योगदान को भी याद किया। देवास प्रेस क्लब के सचिव शेखर कौशल ने वहां की गतिविधियों के साथ ही चुनाव प्रक्रिया से अवगत कराया। देवास प्रेस क्लब के अध्यक्ष ललित शर्मा ने कहा

रतलाम प्रेस क्लब की गतिविधियों से अवगत जानने की लालसा पहले से थी। रतलाम प्रेस क्लब के अध्यक्ष का आमंत्रण मिला था। इसलिए जैसे ही समय मिला हम लोग यहां आ गए है।

श्री शर्मा ने देवास प्रेस क्लब द्वारा किए गए सामाजिक सरोकार के कार्यो से अवगत कराया। उन्होने रतलाम प्रेस क्लब के सभी साथियों को देवास जिले के भ्रमण के लिए आमंत्रित किया। संचालन वरिष्ठ पत्रकार नीरज शुक्ला ने किया और आभार उपाध्यक्ष सुजीत उपाध्याय ने व्यक्त किया।

ये रहे उपस्थित

इस दौरान आयोजन के सहप्रभारी किशोर जोशी, कोषाध्यक्ष राजेन्द्र केलवा, सहसचिव मुबारिक शैरानी, कार्यकारिणी सदस्य दिनेश दवे , हैंमत भट्ट, चन्द्रशेखर सोलंकी, केके शर्मा, प्रदीप नागौरा वरिष्ठ पत्रकार गोविंद उपाध्याय, आरिफ कुरैशी ,तुषार कोठारी, सौरभ कोठारी, नरेन्द्र जोशी, सुधीर जैन, अदिति मिश्रा, दिग्विजयसिंह सेंगर, रवि सिसोदिया आदि उपस्थित थे।

हनुमान दादा का अभिषेक हवन पूजन के विशाल भंडारा भव्य उत्सव कार्यक्रम संपन्न

परासिया क्षेत्र चांदामेटा में माहुल वाले हनुमान दादा मंदिर चांदामेटा में सम्पन्न हुआ वार्षिक स्थापना दिवस कार्यक्रम श्री माहुल वाले हनुमान दादा मंदिर गाजनडोह रोड चांदामेटा में मंदिर की स्थापना के 24 वे वर्ष में स्थापना दिवस के वार्षिक उत्सव कार्यक्रम का भव्य समापन हुआ जिसमें सोमवार से ही अखंड श्री राम नाम कीर्तन का आयोजन शाम को शिव जी एवं शनि देव का अभिषेक के साथ कार्यक्रम की शुरुआत के साथ मंगलवार 24 दिसंबर सुबह हनुमान दादा के अभिषेक हवन पूजन के पश्चात विशाल भंडारा अनाव्रत रात्रि तक चलता रहा जिसमें प्रशासन की और से अनुविभागीय अधिकारी महोदय पुलिस प्रशासन नगरपरिषद चांदामेटा प्रशासन आदि का महत्वपूर्ण सहयोग रहा सनद रहे कि माहुल वाले हनुमान दादा जी का मंदिर वन परिक्षेत्र की सुगम वादियों के बीच स्थापित है और पूरे क्षेत्र में औषधियों के पेड़ लगाए गए है जहां क्षेत्र के हजारों लोगों की आस्था का केंद्र है

एवं परासिया विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत रावनवाड़ा में दिन मंगलवार को डब्ल्यूसीएल पेंच क्षेत्र के परासिया जीएम साहब के द्वारा ग्राम पंचायत रावणवाड़ा की सभी आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 1 जरगल, 2 स्टॉप लाइन, 3 बस्ती, 4 चीफ हॉउस में आंगनबाड़ी के बच्चों के लिए भोजन करने के टेबल एवं छोटी कुर्सी एवं कार्यकर्ता के लिए टेबल कुर्सी दी गई इस कार्यक्रम में विधानसभा प्रभारी परासिया ज्योति डेहरिया,वरिष्ठ भाजपा नेता छगनलाल साहू, सरपंच अरुण कुमार नवैद और समस्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की उपस्थिति में सामग्री का वितरण किया गया आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने सामग्री पाकर डब्ल्यूसीएल अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया।

सांध्य प्रकाश

मध्यप्रदेश शासन वर्ष 2025

जनवरी 2025

सोम	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	रवि
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30	31		

फरवरी 2025

सोम	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	रवि
					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28		

मार्च 2025

सोम	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	रवि
31					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

अप्रैल 2025

सोम	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	रवि
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30				

मई 2025

सोम	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	रवि
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

जून 2025

सोम	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	रवि
30						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

जुलाई 2025

सोम	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	रवि
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

अगस्त 2025

सोम	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	रवि
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	31

सितम्बर 2025

सोम	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	रवि
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30					

अक्टूबर 2025

सोम	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	रवि
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30	31		

नवम्बर 2025

सोम	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	रवि
					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

दिसम्बर 2025

सोम	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	रवि
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

अनिवार्य अवकाश

26	जनवरी	गणतंत्र दिवस
12	फरवरी	संत रविदास जयन्ती
26	फरवरी	महाशिवरात्रि
14	मार्च	होली
30	मार्च	गुड़ी पड़वा/ महर्षि गौतम जयंती/ चैती चांद
31	मार्च	ईद-उल-फितर
06	अप्रैल	रामनवमी
10	अप्रैल	महावीर जयन्ती
14	अप्रैल	डॉ.अम्बेडकर जयंती/ वैशाखी
18	अप्रैल	पुण्य शुक्रवार (गुड फ्रायडे)
30	अप्रैल	परशुराम जयन्ती
12	मई	बुद्ध पूर्णिमा
29	मई	महाराणा प्रताप जयन्ती/ छत्रसाल जयन्ती
07	जून	ईदुज्जुहा
06	जुलाई	मोहर्रम
09	अगस्त	रक्षा बंधन
15	अगस्त	स्वतंत्रता दिवस
16	अगस्त	जन्माष्टमी
05	सितम्बर	मिलाद-उन-नबी
02	अक्टूबर	गांधी जयन्ती/ दशहरा (विजयादशमी)
07	अक्टूबर	महर्षि वाल्मीकी जयन्ती
20	अक्टूबर	दीपावली
21	अक्टूबर	गोवर्धन पूजा
05	नवम्बर	गुरुनानक जयन्ती
15	नवम्बर	राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस (भगवान बिरसा मुण्डा जयन्ती)
25	दिसम्बर	खिस्त जयन्ती(क्रिसमस)

ऐच्छिक (ऑप्शनल) अवकाश

जनवरी	01 नववर्ष दिवस, 06 महर्षि गुरु गोकुलदास जी महाराज का जन्म दिवस/ गुरु गोविन्द सिंह का जन्म दिवस, 12 हजरत अली का जन्म दिवस, 14 मकर संक्रांति/ पोंगल, 21 हेमू कालाणी का शहीदी दिवस
फरवरी	03 बसंत पंचमी, 04 देव नारायण जयंती/ नर्मदा जयंती, 11 स्वामी रामचरण जी महाराज का जन्म दिवस, 14 शब-ए-बारात, 19 छत्रपति शिवाजी जयंती, 20 शबरी जयंती, 23 महर्षि दयानंद सरस्वती का जन्म दिवस, 26 एकलव्य जयंती
मार्च	13 होली (होलिका दहन), 16 भाईदूज, 18 टोडरमल जयंती, 20 वीरांगना अवंतिबाई का बलिदान दिवस, 25 भक्त माता कर्मा जयंती, 28 जमात-उल-विदा, 30 ईद-उल-फितर (के ठीक पूर्व का दिवस), 31 भगवान मीनेष जयंती
अप्रैल	02 निषादराज जयंती, 11 महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती/ हाटकेश्वर जयंती, 14 बिशु, 24 वल्लभाचार्य जयंती, 25 सेन जयंती, 30 अक्षय तृतीया
मई	02 शंकराचार्य जयंती (एकात्मता दिवस/ दार्शनिक दिवस), 04 श्री चित्रगुप्त जी का प्रकट उत्सव, 15 केवट जयंती, 31 माँ अहिल्याबाई का जन्म दिवस
जून	04 महेश जयंती, 06 ईद-उल-अजहा (ईदुज्जुहा के ठीक पूर्व का दिवस), 09 बड़ा महादेव पूजन, 11 कबीर जयंती, 14 शहीद-ए-धुम, 24 वीरांगना दुर्गावती का बलिदान दिवस, 27 रथ यात्रा
जुलाई	05 योम-ए-अशूरा, 10 गुरु पूर्णिमा, 29 नागपंचमी, 31 गोस्वामी तुलसीदास जयंती
अगस्त	09 जनजातीय दिवस, 13 दुर्गादास राठौर जयंती, 14 बलराम जयंती, 15 पारसी नववर्ष दिवस, 27 गणेश चतुर्थी, 30 नवाखाई
सितम्बर	02 तेजाजी महाराज का निर्वाण दिवस तेजा दशमी, 03 डोलग्यारस, 05 ओणम, 06 अनंत चतुर्दशी, 17 विश्वकर्मा जयंती, 18 राजा शंकर शाह तथा रघुनाथ शाह का बलिदान दिवस, 20 प्राणनाथ जयंती, 21 सर्वपितृ मोक्ष अमावस्या, 22 अग्रसेन जयंती, 30 दशहरा (महाष्टमी)
अक्टूबर	01 दशहरा (महानवमी), 07 महाराज अजमीढ देव जयंती/ टेकचंद जी महाराज का समाधि उत्सव, 10 करवाचौथ पर्व, 12 डॉ. सैय्यदना साहब का जन्म दिवस, 19 दीपावली (दक्षिण भारतीय), 21 दीपावली का दूसरा दिन, 23 भाई दूज, 27 छठ पूजा, 28 भगवान सहस्त्रबाहु जयंती
नवम्बर	01 नामदेव जयंती, 22 झलकारी जयंती, 24 गुरु तेगबहादुर का शहीदी दिवस, 27 संत श्री जिनतरण तारण जयंती
दिसम्बर	03 विश्व विकलांग दिवस, 04 दत्तात्रय जयंती/ क्रांतिसूर्य टंट्या भील बलिदान दिवस, 18 गुरु घासीदास जयंती, 27 महाराजा खेतसिंह खंगार जी की जयंती, 31 बालीनाथ जी बैरवा जयंती

(म0प्र0राजपत्र(असाधारण) अधिसूचना क्रमांक 357 दिनांक 21 दिसम्बर 2024 पर आधारित)

Prepared by – J.S.Kaushal, Senior Audit Officer (AG Audit- Gwalior) Mob.9926225291

सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय भोपाल के आदेश दिनांक 20 दिसम्बर 2022 के अनुसार आगामी आदेश तक प्रदेश के शासकीय कार्यालयों के कार्य दिवस सप्ताह में 05 दिवस (सोमवार से शुक्रवार) निर्धारित किए गए है।

अब नहीं बच पाएंगे भ्रष्ट अफसर, सरकार ने नियमों में किया बड़ा बदलाव

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने भ्रष्ट अफसरों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की प्रक्रिया को तेज करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। नई व्यवस्था के तहत भ्रष्ट अफसर-कर्मचारी लंबे समय तक अभियोजन से बच नहीं पाएंगे। इसके तहत पूरी प्रक्रिया को जमीन स्तर तक उतारते हुए डीसेंट्रलाइज किया गया है। इसी के तहत नियुक्तिकर्ता अधिकारी को पॉवरफुल बनाया गया है। अब ईओडब्ल्यू और लोकायुक्त की कार्रवाई के बाद भ्रष्टाचार का केस दर्ज होने पर अभियोजन की स्वीकृति सीधे नियुक्तिकर्ता अधिकारी दे सकेंगे।

मान लीजिए यदि किसी पटवारी के खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला दर्ज होता है तो अभियोजन की स्वीकृति एसडीएम दे सकेंगे। पहले ऐसे मामले विभाग तक पहुंचते थे। छोटे-बड़े मामलों के चलते मंत्रालय में फाइलों के ढेर लगते। कई मामलों में तो ऐसा होता कि जिसके खिलाफ अभियोजन स्वीकृति मांगी जाती, वह रिटायर्ड तक हो जाता, पर अभियोजन स्वीकृति नहीं मिलती थी। इन्हीं सब मामलों को देखते हुए जीएडी ने नियमों में फेरबदल किया है।

इस तरह की है नई व्यवस्था: भ्रष्टाचार के मामलों में लोकायुक्त और ईओडब्लयू की रेड के बाद सीधे नियुक्तिकर्ता अधिकारी अभियोजन की स्वीकृति दे सकेंगे। यदि नियुक्तिकर्ता अधिकारी को लगता है कि अभियोजन स्वीकृति की जरूरत नहीं है तो यहां से मामला संबंधित विभाग के पास जाएगा। यदि विभाग भी सहमति नहीं है तो केस लॉ को भेजा जाएगा। लीगल टीम पूरे मामले की पड़ताल कर अपना अभिमत देगी। लीगल टीम के बाद पूरा प्रकरण कैबिनेट में रखा जाएगा, वहां अंतिम मुहर लगेगी।

इस तरह तय की समय सीमा

यह जरूर है कि अभियोजन स्वीकृति के हर मामले में अब विधि विभाग की राय लेना अनिवार्य होगा। पहले ऐसा करना जरूरी नहीं था। नए बदलाव के तहत नियुक्तिकर्ता अधिकारी को केस की जांच कर जांच एजेंसी को भेजना होगा। जांच एजेंसी चालान पेश करेगी और अधिकारी को सूचित करेगी। पूरी प्रक्रिया 45 दिन में पूरी होगी।

कैबिनेट स्तर पर भी बदलाव

यदि नियुक्तिकर्ता अधिकारी अभियोजन की स्वीकृति नहीं देता तो कारण सहित यह मामला विधि विभाग को भेजेगा। विधि विभाग अपने सुझाव के साथ इसे संबंधित विभाग को भेजेगा। यदि संबंधित विभाग और विधि विभाग सहमत नहीं होते तो मामला कैबिनेट तक पहुंचेगा। कैबिनेट को भी 45 दिनों में निर्णय लेना जरूरी होगा। पहले कैबिनेट के लिए कोई समय सीमा तय नहीं थी।

निजी शिकायतों पर सुनवाई का प्रावधान

किसी अफसर या कर्मचारी के खिलाफ यदि निजी परिवाद (शिकायत) आता है तो संबंधित अधिकारी/कर्मचारी का पक्ष सुनना जरूरी होगा। सुनवाई के बाद केस का निराकरण भी तीन महीने के भीतर किया जाना होगा। वहीं आउटसोर्स और दैनिक वेतन भोगियों के मामले में जांच एजेंसी ही अभियोजना स्वीकृति दे सकेगी।

भ्रष्टाचारियों पर लगेगी लगाम

इस बदलाव से भ्रष्ट अफसरों और कर्मचारियों को अब अभियोजन से बचने का मौका नहीं मिलेगा। समय सीमा तय होने से मामले लंबित नहीं रहेंगे। इसी के साथ नियुक्तिकर्ता अधिकारी को सीधे अधिकार देने से भ्रष्टाचारियों पर अंकुश लगेगा। व्यवस्था और दुरुस्त होगी। जांच प्रक्रिया में तेजी आएगी। छोटे-बड़े मामलों में देरी नहीं होगी। सबसे खास यह है कि विधि विभाग की राय अनिवार्य होने से अभियोजन प्रक्रिया में पारदर्शिता आएगी।

पूर्व मंत्री, समाजवादी नेता श्रीमती सविता वाजपेई का निधन

भोपाल। प्रख्यात समाजवादी नेता, पूर्व मंत्री श्रीमती सविता बाजपेई का आज सुबह 4 बजे निधन हो गया दे। वरिष्ठ पत्रकार श्री बालमुकुंद भारती की धर्मपत्नी 87 वर्षीया श्रीमती सविता वाजपेई पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रही थी तथा स्थानीय अस्पताल में भर्ती थी। भोपाल की प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ.श्रद्धा अग्रवाल एवं श्रीमती निष्ठा दुबे की वे मां थी। उनका अंतिम संस्कार आज शाम भदभदा विश्राम घाट पर होगा।

श्रीमती सविता बाजपेई 80 के दशक में तब चर्चा में आई थी, जब 1977 के विधानसभा आम चुनाव में सीहोर से विधायक चुनी गई थी और जनता पार्टी के 3 साल के कार्यकाल में तीन बार वे मंत्री रही । श्रीमती सविता वाजपेई जनता पार्टी शासन काल के तीनों मुख्यमंत्री श्री कैलाश जोशी, श्री वीरेंद्र सकलेचा, और श्री सुंदरलाल पटवा के मंत्रिमंडल में क्रमश: राज्य मंत्री और मंत्री के पद पर रही। वह 18 महीने मीसाबंदी भी रही है। श्रीमती वाजपेई 1972- 77 तक प्रोफेसर्स कॉलोनी के बच्चों में आंटी के रूप में प्रसिद्ध थी।

मौसम: भोपाल-इंदौर समेत आधे मध्यप्रदेश में कोहरा

भोपाल। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) और साइक्लोनिक सर्कुलेशन के एक्टिव होने से मध्यप्रदेश का मौसम फिर बदला है। रात के टेम्परेचर में 4 से 5 डिग्री की बढ़ोतरी और दिन में गिरावट हुई है जबकि मावठा भी गिर रहा है। 28 दिसंबर तक ऐसा ही मौसम बना रहेगा।

आज सुबह भोपाल, इंदौर समेत आधे एमपी में कोहरा छाया रहा। मौसम में ठंडक है। वहीं, मालवा-निमाड़ यानी इंदौर-उज्जैन संभाग के 10 जिलों में बारिश का भी अलर्ट है।

कल से ओले-बारिश, तेज हवा चलेगी

27 दिसंबर से पूरे प्रदेश में ओले-बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम रहेगा। आधे से ज्यादा जिलों में 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है।

11 जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट है। इससे पहले बुधवार को पूरे प्रदेश में मौसम बदला रहा। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर समेत अन्य जिलों में बादल छाए रहे। इस वजह से ठंड बढ़ गई। भोपाल में पारा 22.5 डिग्री रहा। इंदौर में दिन का तापमान 24.3 डिग्री और रात का तापमान 16.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इस महीने यह पहला मौका है, जब रात का तापमान सामान्य से 7 डिग्री ज्यादा रहा। अभी दिन और रात के तापमान में 8 डिग्री सेल्सियस

आइए, मिलकर जिम्मेदारी उठाएं बच्चों का मासूम बचपन बचाएं

बच्चों के यौन शोषण के घृणित अपराध को रोकने में सहयोग करें

टोल फ्री नंबर 1098, 100 या POCSO e-box पर तत्काल शिकायत करें या

- मध्यप्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग (0755-2559900)
- राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (011-234782-61, 74, 77)
- किसी भी जिले की बाल कल्याण समिति अथवा जिला बाल कल्याण अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं।

बच्चो ध्यान रखो -

जब भी कोई व्यक्ति आपको गलत तरह से छूए, ऐसा छूना जो आपको अजीब और घिनौना लगे, तो समझ लो कि खतरा है | ऐसी स्थिति में...

- तुरंत उस व्यक्ति को जोर से मना करो और रोको
- उस जगह से दूर वहां जाओ जहां और भी लोग हों
- जिस बड़े व्यक्ति पर तुम्हें भरोसा हो, उसे यह बात जरूर बताओ

D-11137/24

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2024